राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 11 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-173 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काउंसिल ने किया ऐलान: दलाई लामा को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार

धर्मशाला (एजेंसी)। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट्स ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार के लिए जिन तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात हस्तियों का चयन किया है, उसमें तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु 14वें दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो का नाम भी शामिल है। यह घोषणा अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरस्त्रीकरण और शांतिपूर्ण विश्व के लिए मार्च के आयोजन से पहले की गई। दलाई लामा को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं, जिनमें सबसे प्रमुख 1989 का नोबेल शांति पुरस्कार है। इसके अतिरिक्त, उन्हें 2006 में अमेरिकी कांग्रेसनल गोल्ड मेडल, 2012 में टेम्पलटन पुरस्कार, रेमन मैग्सेसे पुरस्कार और 2025 में गोल्ड मर्करी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

इसके अलावा दलाई लामा को कई मानद डॉक्टरेट उपाधियां और अन्य पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट्स ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार के लिए जिन तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात हस्तियों का चयन किया है, उसमें तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु 14वें दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो का नाम भी शामिल है। यह जानकारी तिब्बतियन वेबसाइट तिब्बत डॉट नेट पर साझा की गई है। इसके अलावा जैन आचार्य डॉ. लोकेश मुनि और नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई का नाम भी अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार के लिए चयनित हुआ है। काउंसिल के अनुसार, दलाई लामा को अहिंसा, वैश्विक शांति और सार्वभौमिक करुणा के प्रति आजीवन समर्पण के लिए सम्मानित किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री गोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल छात्र संघ ने रविवार को त्रिशूर ईस्ट पुलिस में केंद्रीय मंत्री और त्रिशूर से सांसद सुरेश गोपी के संसदीय क्षेत्र से गायब होने की शिकायत दर्ज कराई है। केरल छात्र संघ जिला अध्यक्ष गोकुल गुरुवायूर के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में दो केरल ननों की गिरफ्तारी के बाद से सुरेश गोपी क्षेत्र में नजर नहीं आए। गोकुल ने कहा कि पिछले दो महीने से गोपी किसी भी स्थानीय कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। यहां तक कि त्रिशूर के मेयर और राज्य सरकार में राजस्व मंत्री के. राजन भी उनसे संपर्क नहीं कर पाए। केरल छात्र संघ ने मंत्री के खिलाफ अभियान चलाने की चेतावनी दी है और उनकी अनुपस्थिति की जांच की मांग की है। संगठन का कहना है कि मंत्री ने ननों की गिरफ्तारी, वोटर लिस्ट में गड़बड़ी जैसे मुद्दों पर भी चुप्पी साधी हुई है।

यमुना खतरे के निशान के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में तेज बारिश के कारण 300 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं। जैतपुर इलाके में मोहन बाबा मंदिर के पास एक 100 फुट लंबी दीवार गिरी, मलबे से 8 लोगों दब गए थे। इलाज के दौरान 7 की मौत हुई। रविवार को यमुना का जलस्तर खतरे के निशान 205 मी. से नीचे है। मध्य प्रदेश में भोपाल समेत आधे से ज्यादा राज्य में 24 साल में पहली बार है कि अगस्त महीने के पहले 9 दिन बिना बारिश के बीते। यहां 1 मिमी भी बारिश नहीं हुई। 14 अगस्त से मौसम बदलने के आसार हैं, क्योंकि 13 अगस्त को बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है, जो एक बड़े मानसूनी सिस्टम में बदल सकता है।

पाकिस्तान को 2 महीने में 127 करोड़ का नुकसान

सिंधु समझौता रद्द करने पर भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद किया था; रोजाना 150 फ्लाइट प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद करने से दो महीनों में 127 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ है। 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि निलंबित करने के भारत के फैसले के बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने संसद में बताया कि इस दौरान रोजाना लगभग 100 से 150 भारतीय उड़ानें प्रभावित हुईं। इससे पाकिस्तान को 24 अप्रैल से 30 जून के बीच 4.10 अरब पाकिस्तानी रुपए (लगभग 127 करोड़ भारतीय रुपए) का नुकसान हुआ। एयरस्पेस बंद करने का यह फैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद लिया गया था। इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। पाक रक्षा मंत्रालय ने कहा कि घाटा होने के बाद भी भारतीय विमानों पर लगे प्रतिबंध हटाए नहीं जाएंगे और एयरस्पेस को अगस्त के आखिरी हफ्ते तक बंद रखा जाएगा। इसके बाद स्थिति को देखकर निर्णय लिया जाएगा।

2019 में भी 451 करोड़ का नुकसान हुआ था

पाकिस्तान को 2019 में भी इसी तरह का प्रतिबंध लगाने से लगभग 451 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ था। वहीं, पाकिस्तान के प्रतिबंध के जवाब में भारत ने भी पाकिस्तानी विमानों के भारतीय एयरस्पेस में घुसने पर रोक लगाई हुई है। पाकिस्तानी मंत्रालय के मुताबिक, नुकसान होने के बावजूद पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी की कुल कमाई में बढ़ोतरी हुई है। 2019 में रोजाना औसत ओवरफ्लाइट (ऊपर से गुजरने वाले विमानों) से होने वाली कमाई 4.24 करोड़ रूपए थी, जो 2025 में बढ़कर 6.35 करोड़ हो गई। ओवरफ्लाइट (ऊपर से गुजरने वाले विमानों) से होने वाली कमाई 4.24 करोड़ रूपए थी, जो 2025 में बढ़कर 6.35 करोड़ हो गई।

भारतीय एयरलाइनों को हर महीने 306 करोड़ कानुकसान

पाकिस्तानी एयरस्पेस बंद होने के बाद 30 अप्रैल को एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारतीय एयरलाइनों को हर महीने करीब 306 करोड़ रुपए से ज्यादा एक्स्ट्रा खर्च करने पड़ सकता है। एअर इंडिया ने अनुमान लगाया था कि अगर एक साल तक एयर स्पेस बंद रहता है तो उसे 600 मिलियन डॉलर यानी करीब 5081 करोड़ रुपए का नुकसान होगा।

पीएम मोदी ने तीन वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी, नई मेट्रो लाइन का किया शिलान्यास

बेंगलुरु,(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को कर्नाटक पहुंचे। यहां पीएम मोदी ने केएसआर रेलवे स्टेशन से तीन वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही पीएम मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो के नए रुट का भी शिलान्यास किया। उन्होंने जिन तीन वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई उनमें बेंगलुरु से बेलगावी, अमृतसर से कटरा और नागपुर (अजनी) से पुणे तक की ट्रेनें शामिल हैं। ये हाई-स्पीड ट्रेनें क्षेत्रीय संपर्क को अहम रूप से बढ़ाएंगी। यात्रा के समय को कम करेंगी और यात्रियों को विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव कराएंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के बाद पीएम मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो की 19 किलोमीटर लंबी येलो लाइन का भी उद्घाटन किया। यह लाइन आरवी रोड (रागीगुड्डु) से बोम्मासंद्रा तक चलती है और इस पर लगभग 7,160 करोड़ की लागत आई है। इस लाइन पर 16 स्टेशन है और यह शहर के प्रमुख आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ती है। इस लाइन के खुलने से बेंगलुरु का मेट्रो नेटवर्क 96 किलोमीटर से ज्यादा हो गया है, जिससे लाखों यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

अपने बेंगलुरु दौरे के दौरान पीएम मोदी ने मेट्रो परियोजना के तीसरे चरण की भी आधारशिला रखी। इस प्रोजेक्ट पर 15,610 करोड़ से ज्यादा का खर्च आएगा और इसमें 44 किलोमीटर से ज्यादा के एलिवेटेड ट्रैक और 31 नए स्टेशन जोड़े जाएंगे। उम्मीद है कि इससे शहर के सार्वजनिक परिवहन को और मजबूत करेगा और ट्रैफिक की भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी।

आरएसएस का सामाजिक सद्भाव पर जोर : भागवत बोले - सभी मिलकर करें राष्ट्र निर्माण

इंदौर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मालवा प्रांत के प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर के समाज प्रमुखों की सद्भाव बैठक को संबोधित किया। इस बैठक में मालवा प्रांत के 111 समाजों के 284 प्रमुख शामिल हुए, जिन्होंने अपने-अपने समाजों द्वारा किए जा रहे जनकल्याण और सेवा कार्यों की जानकारी साझा की।

डॉ. भागवत ने कहा कि समाज का आधार सद्भावना और अपनेपन का संबंध है। यह मात्र एक सामाजिक अनुबंध (सोशल कॉन्ट्रैक्ट) नहीं, बल्कि व्यक्ति और परिवार दोनों की सत्ता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज का उद्देश्य धर्मयुक्त जीवन होना चाहिए।

यूरोप को ध्वस्त करने वाला विचार भारत में सक्रिय

सरसंघचालक ने चेतावनी दी कि मनुष्य को केवल शरीर और उपभोग की वस्तु मानने वाला विचार यूरोप को तबाह कर चुका है और अब यही विचारधारा भारत की परिवार व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने इस विचारधारा को 2021 में आयोजित डिस्मेंटलिंग हिन्दुत्व सेमिनार का परिणाम बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस विचारधारा ने विश्व के 50-60 घरानों के साथ मिलकर भारतीय बाजार पर कब्जा करने का षड्यंत्र रचा है।

आतंकियों की चौतरफा घेराबंदी:

कुपवाड़ा में आतंकियों का ठिकाना ध्वस्त, किश्तवाड़ में मुठभेड़

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में आतंकियों का सफाया करने में सुरक्षा बल पूरी ताकत से लगे हुए हैं। यहां चलाए जा रहे ऑपरेशन ओखल के तहत खुफिया सूचना के आधार पर आतंकियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसमें बड़ी कामयाबी मिली है। जवानों ने हफरूदा(कुपवाड़ा) में आतंकियों के एक ठिकाने से हथियार व अन्य साजो सामान बरामद किया है। जवानों ने आतंकी ठिकाने का भी नष्ट कर दिया है।वहीं किश्तवाड़ में सुरक्षा कई घंटों से आतंकियों के खिलाफ लोहा ले रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, यह आतंकी ठिकाना हफरुदा के द्रुड जंगल में बना हुआ था। यह इलाका गुलाम जम्मू-कश्मीर की तरफ से घुसपैठ करने वाले आतंकियों द्वारा घाटी के भीतरी इलाकों में जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सेना की 02 राजपूत यूनिट के जवानों ने आज सुबह द्रुड में एक विशेष सूचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान उन्होंने जंगल में एक जगह बने भूमिगत आतंकी ठिकाने का पता लगाया। उन्होंने वहां से एक आरपीजी और आरपीजी ग्रेनेड के अलावा एक एसाल्ट राइफल, एक पिस्तौल व अन्य साजो सामान बरामद किया है। समझा जा रहा है कि आतंकियों ने सुरक्षाबलों को आते देख लिया हो और वह वहां से भाग निकले हों। संबधित अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने बाद में आतंकी ठिकाने को नष्ट कर दिया।

वहीं दूसरी तरफ किश्तवाड के दुल इलाके खुफिया जानकारी के आधार पर चल रहे एक अभियान के दौरान जवानों का इन आतंकियों से सामना हुआ। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा है कि गोलीबारी हुई है, फिलहाल अभियान जारी है। घाटी में चल रहा यह अभियान कुलगाम में जारी ऑपरेशन के बाद शुरू हुआ है। कुलगाम में आतंकियों से जारी मुठभेड़ लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को वीरगति प्राप्त हुई है। ऑपरेशन ओखल पिछले नौ दिनों से जारी है। चिनार कोर ने इस अभियान में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा। पोस्ट में लिखा, चिनार कोर राष्ट्र के लिए अपने कर्तव्य का पालन करते हुए वीरों, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करता है। उनका साहस और समर्पण हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। भारतीय सेना गहरी संवेदना व्यक्त करती है और शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया नेक्स्टजेन रोलिंग स्टॉक फैक्ट्री का भूमि पूजन

भारत सबसे तेज विकास करने वाला देश, कुछ लोग को पच नहीं रही यह बात

-कहा- मप्र सिर्फ 'मध्य प्रदेश' नहीं, बल्कि 'मॉडर्न प्रदेश' बन गया

भोपाल (एजेंसी)। दुनिया का सबसे तेज विकास करने वाला देश भारत है। कुछ लोग हैं जिनको भारत का विकास पसंद नहीं आ रहा है। खुद को ही दुनिया का बॉस समझ बैठे हैं उन्हें यह बात पच नहीं रही है। उनको समझ नहीं आ रहा है कि भारत कैसे इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में भारत के लोगों द्वारा जो चीज बनाई जा रही है वह अगर किसी दूसरे देश में जाए तो उन देशों में बनने वाली चीजों से महंगी हो जाए ताकि दुनिया के लोग उसे खरीदें ही नहीं। यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भोपाल पास रायसेन में स्थित नेक्स्टजेन रोलिंग स्टॉक फैक्ट्री के भूमि पूजन के अवसर पर कही।

उन्होंने कहा कि भारत आज जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है, एक दिन भारत दुनिया की एक बड़ी शक्ति बनकर रहेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जहां तक रक्षा क्षेत्र की बात है अब हम 24 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा मूल्य की रक्षा वस्तुओं का निर्यात कर रहे हैं। यह भारत की ताकत है, यह नए भारत का नया रक्षा क्षेत्र है और निर्यात निरंतर बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने साथ ही ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात की और कहा कि आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों को धर्म पूछकर मारा लेकिन भारत ने आतंकियों का कर्म देखकर जवाब दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को मैन्यूफैक्चरिंग के लिए बीईएमएल रेल हब में नेक्स्टजेन रोलिंग स्टॉक फैक्ट्री का भूमि पूजन करने भोपाल आए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में आज भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) की नई रेल कोच फैक्ट्री के भूमि पूजन के साथ औद्योगिक विकास को नई दिशा मिली। इस परियोजना में करीब 1,800 करोड़ रुपए का निवेश होगा और अगले दो सालों में फैक्ट्री का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। यहां न केवल रेल के डिब्बों का निर्माण होगा, बल्कि रेलवे के अन्य उत्पाद भी तैयार किए जाएंगे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि चाहे औद्योगिक विकास हो, या सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पुनरुत्थान, जब इसकी कमान सीएम डॉ मोहन यादव जैसे कर्मठ और समर्पित व्यक्ति के हाथ में हो, तो ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं होती। आपके नए-नए विचार और कार्यशैली के कारण मैं कह सकता हूं कि अब मध्यप्रदेश सिर्फ 'मध्य प्रदेश' नहीं, बल्कि 'मॉडर्न प्रदेश' बन गया है।

शिलान्यास समारोह में राजनाथ सिंह ने कहा कि इस परियोजना का असर केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों तक विकास की लहर पहुंचेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि बीईएमएल द्वारा निर्मित वंदे भारत रेल कोच देश के परिवहन क्षेत्र को नई गति दे रहे हैं।

अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी में भारत

– कुछ अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर लगेगा 50 प्रतिशत तक टैरिफ

मुंबई। अमेरिका ने भारतीय स्टील, एल्युमिनियम और कई प्रोडक्ट्स पर 50 प्रतिशत टैरिफ (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब इसके जवाब में भारत भी चुनिंदा अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो यह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर भारत का पहला औपचारिक पलटवार होगा। ट्रम्प ने 31 जुलाई को सभी भारतीय प्रोडक्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। इसके बाद फिर 6 अगस्त को रूस से ऑयल इम्पोर्ट को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत का एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया था। स्टील और एल्युमिनियम विवाद फरवरी से चल रहा है, जब ट्रम्प प्रशासन ने इन मेटल्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। जून में इस ड्यूटी को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। इससे कम से कम 7.6 बिलियन डॉलर यानी 66,559 करोड़ रुपए के इंडियन एक्सपोर्ट पर असर पड़ा है। भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) में कहा था कि अमेरिका के कदम को नेशनल सिक्योरिटी के नाम पर छिपाया गया है, जबकि असल में ये डब्ल्यूटीओ के नियमों के उलट सेफगार्ड ड्यूटी हैं। अमेरिका ने इस मामले में बातचीत से मना कर दिया। इसके बाद भारत ने अब डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत पलटवार की कानूनी तैयारी कर ली है। ट्रम्प ने भारत के साथ बातचीत बहाल करने की संभावना को खत्म कर दिया।

राहुल गांधी डिक्लेरेशन दें या फिर झूठे आरोपों के लिए माफी मांगें: चुनाव आयोग

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से लगातार चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसे लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने एक बार फिर सख्ती से उनके बयान पर अपना जवाब दोहराया। आयोग ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नियमों के अनुसार डिक्लेरेशन दें या फिर अपने झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगें। इससे पहले भी भारत निर्वाचन आयोग ने नेता प्रतिपक्ष के बयान को भ्रामक बताया था।

ईसीआई फैक्ट चेक ने कहा कि लोकसभा 2024 में वोटर लिस्ट तैयार करने के दौरान आरपी अधिनियम 1950 की धारा 24 के तहत सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कांग्रेस द्वारा शायद ही कोई अपील दायर की गई हो। राहुल गांधी द्वारा ऐसे कई आरोप लगाए जा रहे हैं और मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए जा रहे हैं, जबकि उन्होंने कभी कोई लिखित शिकायत प्रस्तुत नहीं की है। अतीत में भी उन्होंने कभी व्यक्तिगत रूप से स्व-हस्ताक्षरित पत्र नहीं भेजा है। चुनाव आयोग के अनुसार, उदाहरण के लिए उन्होंने दिसंबर 2024 में महाराष्ट्र का मुद्दा उठाया। इसके बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एक वकील ने ईसीआई को पत्र लिखा। हमारा उत्तर 24 दिसंबर 2024 को ईसीआई की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। फिर भी राहुल गांधी का दावा है कि चुनाव आयोग ने कभी जवाब नहीं दिया। चुनाव आयोग फैक्ट चेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट उपलब्ध कराने की कांग्रेस की याचिका को सर्वोच्च न्यायालय ने कमलनाथ बनाम चुनाव आयोग, 2019 में खारिज कर दिया था। कोई भी पीड़ित उम्मीदवार 45 दिनों के भीतर संबंधित हाई कोर्ट में अपने निर्वाचन को चुनौती देने के लिए चुनाव याचिका (ईपी) दायर कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ईपी दायर की जाती है तो सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग और सहमति पर सेना प्रमुख ने खोले कई राज

चेन्नई (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर तैयारी और सटीक हमलों को लेकर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर बयान दिया है। जनरल द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की योजना 23 अप्रैल को शुरू हुई। पहलगाम हमले के अगले दिन तीनों सेना प्रमुखों और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर सहमति जताई कि निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है। इस समय पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था, मुझे लगता है कि अब बहुत हो गया। और तीनों सेनाओं का रुख भी बिल्कुल स्पष्ट था कि कुछ तो करना ही होगा। इसके बाद फिर जाहिर है कि पूरी आजादी दी गई थी कि आप तय करें कि क्या करना है। आईआईटी मद्रास में सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में, हमने जो किया, वह शतरंज खेलना था। इसका क्या मतलब है! इसका मतलब है कि हमें नहीं पता था कि दुश्मन क्या कदम उठाने वाला है और हम क्या करने वाले हैं। यह एक अनिश्चित क्षेत्र था। यह अनिश्चित क्षेत्र यह है कि हम पारंपरिक युद्ध नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम कुछ ऐसा कर रहे हैं जो पारंपरिक युद्ध से बस थोड़ा कम है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि पांच निशाने पाक अधिकृत कश्मीर वाल में थे, जबकि चार पाकिस्तानी पंजाब में थे। दो मिशन हमने भारतीय वायुसेना के समन्वय में किए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के साथ हमारा यह टेस्ट मैच चार दिन चला यह चौदह दिन भी चल सकता था, चालीस दिन या एक सौ चालीस दिन या फिर चौदह सो दिन... हमें नहीं पता था। इसलिए हम इसके लिए पूरी तरह से तैयार थे।

सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, उरी और बालाकोट जैसे पहले के अभियानों से अलग था। उन्होंने बताया कि उरी ऑपरेशन के दौरान, एक स्पष्ट संदेश देने के लिए लॉन्च पैड्स को निशाना बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। 2019 के बालाकोट हमलों का उद्देश्य जवाबी कार्रवाई के रूप में जम्मू-कश्मीर में घुसकर पाकिस्तान के अंदर प्रशिक्षण शिविरों को निशाना बनाना था। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर गहरा और विस्तृत था। इसका मतलब यह कि हमें दुश्मन के इलाकों में और भी ज्यादा गहराई हार्टलैंड में हमला करना था। इस दौरान ही हमने नर्सरी और मास्टर्स जैसे कोडेनेम वाले महत्वपूर्ण ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतनी गहराई में हमला होना पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका थी।बता दें कि सेना प्रमुख का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब वायुसेना प्रमुख ने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पांच पाकिस्तानी जेट्स को मार गिराने की बात कई है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी आतंकियों पर किए गए इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने सटीक और भीषण कार्रवाई की थी, जिसमें कई आतंकी मारे गए थे। बाद में पाकिस्तान ने नापाक हरकत करते हुए हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की तो हमारे एयर डिफेंस को नहीं भेद पाए।

कांग्रेस की डिनर डिप्लोमेसी: खड़गे ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए रखी डिनर पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सोमवार, 11 अगस्त को इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए विशेष डिनर पार्टी का आयोजन करने जा रहे हैं। यह आयोजन राजधानी के चाणक्यपुरी स्थित होटल ताज पैलेस में होगा। सूत्रों के मुताबिक, यह कदम ऐसे वक्त में उठाया गया है जबकि विपक्षी दल बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कथित चुनावी धांधली के खिलाफ एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं। इसी दिन विपक्षी सांसद संसद से लेकर चुनाव आयोग कार्यालय तक एक विरोध मार्च भी निकालेंगे, जिसमें चुनाव में कथित गड़बड़ियों के मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाए जाने की उम्मीद है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो खड़गे का यह डिनर केवल औपचारिक दावत नहीं, बल्कि विपक्षी दलों के बीच रणनीतिक संवाद और तालमेल बढ़ाने का प्रयास भी है। माना जा रहा है कि इस मौके पर आगामी चुनावी रणनीति, संयुक्त अभियानों और विपक्षी गठबंधन की मजबूती पर चर्चा हो सकती है। यहां बताते चलें कि इससे पहले ही कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी डिनर का अयोजन कर चुके हैं। तब इंडिया ब्लॉक के शीर्ष नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास पर डिनर के दौरान बैठक कर प्रमुख मुद्दों पर न सिर्फ चर्चा की थी बल्कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) के साथ-साथ वोट चोरी मॉडल के खिलाफ लड़ने की शपथ भी ली थी। बहरहाल अब 11 अगस्त को खड़गे की डिनर पार्टी में क्या-क्या होता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विपक्ष को देशहित में निर्णय लेना चाहिए

हमें विश्वभर में स्वास्थ्य के मामले में स्त्रियों और पुरुषों की लैंगिक समानता का समर्थन करना चाहिए ऐ बात उठाएं और सही समस्या का हल निकाले तो शायद आपका सम्मान बढ़ेगा और जहाँ तक बिहार की बात है नीतीश कुमार की सरकार को हिलाना इतना आसान नहीं है हिलाने में खुद उनकी समर्थन की पार्टी आरजेडी 2024 में चली गई और एनडीए मजबूत हुआ अब तो आदरणीय गृह मंत्री और नीतीश कुमार एक मंच पर देखने को मिले और नीतीश कुमार ने अपनी उपलब्धी एनडीए के पक्ष में दिखलाई अतः वहाँ महा गठबंधन में ही आपस में लड़ रहें हैं ऐसे में कांग्रेस की क़ोई चिंता क़ोई नहीं कर रहा है सब अपने अपने सीट बटोरने में जुटी है

(लेखक- संजय गोस्वामी)

विश्वभर में महिलाओं के प्रति हिंसा में बढ़ोतरी हुई है जिसमें भारत में भी महिलाओ के प्रति हिंसा हुई है राखी में हर भारतीय का दायित्व है अपने बहन की रक्षा करें जैसे संसद में राहुल गाँधी और उनकी बहन प्रियंका गाँधी दोनों मिल कर सरकार पर तबाड़ तोड़ हमला कर रहें है कहीं सभी विरोधी पार्टी एक जुट होकर सरकार गिराने का प्रयास कर रहें हैं और चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहें है अब एक साल बाद करने से आपकी पार्टी की ही बदनामी होगी जिस तरह विपक्ष के नेता चुनाव पर धांधली का आरोप वो भी 30 सीटों पर करना समय की बर्बादी होगा जो होता है वो काउंटिंग सेंटर पर होता है जहाँ विपक्षी पार्टियों के एजेंट भी रहते हैं राहुल गाँधी के कारण ही कांग्रेस पार्टी कमजोर हुई है क्योंकि उनकी बॉडीलैंग्वेज से विपक्ष को फायदा होता है और सत्ता में आती है कभी मोदीजी चोर हैं कभी सेना पर सवाल खड़े करना जायज नहीं है यही नहीं विदेश में लोकतंत्र की हत्या का हवाला देना भी देश के लोकतान्त्रिक ढांचे को कमजोर करता है और इसका फायदा दूसरे देश उठाते है किसी चीज को पहले समझें उसका पुख्ता सबूत है तो कोर्ट का दरवाजा खुला है पब्लिक क्या करेगी आज जब आप देश दुनिया की खबर रखते हैं तो उस पर आवाज़ उठा दीजिये विदेश में नारी के प्रति हिंसा होती है तो देश से ऊपर उठ कर आवाज़ उठाएं और उसकी तुलना भारत से करेंगे तो मालूम होगा एन डी ए में महिलाओ का सबसे अधिक वोट मोदीजी को जाता है और दिल्ली में मुख्यमंत्री भी महिला है और देश की महामाहिम राष्ट्रपति भी महिला है । अतः अब जब आम आदमी पार्टी के आपके गठबंधन से उसकी लोहे जैसी सरकार टूट गई तो कौन आपसे गठबंधन करेगा बिहार में महागठबंधन की सरकार 2020 में इसलिए नहीं बन पाई की कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी और मात्र 20 सीट ही मिल पाई और इसपर आर जे डी के प्रवक्ता श्री शिवा नन्द तिवारी ने यहाँ तक कह दिया कि कांग्रेस सिर्फ अधिक सीट लेना चाहती है लेकिन जितना जानना नहीं चाहती है पहले आप के यू पी ए सरकार में अपराध और भरस्टाचार के खिलाफ राम लीला मैदान से आपकी सरकार के खिलाफ अण्णा हजारे ने भूख हड़ताल की थी अभी कहाँ है राहुल गाँधी के बोलने की कला खुद आपके पार्टी के नेता को ठीक नहीं लगता है और आपके ही सांसद शशि थरूर का विचार मिल नहीं रहा है अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरीफ़ पर हॅसने लगते हैं जो आम आदमी से जुड़ा मुद्दा है कभी ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा करते हैं बोलना बहुत आसान होता है करना मुश्किल ट्रम्प 79 साल के हैं और उनकी पत्नी 56 साल की है अधिकतर देखें जाती है आप भी अपना घर बसाने की कोशिश करें अब सत्ता मिलना मुश्किल है क्योंकि क्षेत्रीय पार्टी को दिल्ली में चुनाव परिणाम के बाद डर सा हो गया है अतः बंगाल में खुद आपके पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते रहते हैं महाराष्ट्र में भी आपके साथ जो सटा वो हट ही गया अतः चुनाव जितना है तो महिलाओ के बारे में उसकी सुरक्षा पर चिंता करें आपकी बोली पढ़े लिखे आदमी को शोभा नहीं देती और इसलिए मौका रहने पर भी जीत नहीं मिल रही है एक सभ्य आदमी जैसा जनता से बात करेंगे तो आप की गरिमा बढ़ेगी नहीं तो ऐसे सत्ता में आना मुश्किल है जहाँ तक 2024 लोक सभा के चुनाव के परिणाम पर है इलेक्शन कमीशन ने निष्पक्ष चुनाव कराया है क्योंकि उस समय एन डी ए 400 के पार बता रही थी और 291सीट पर सिमट गई वोटर लिस्ट चुनाव में विपक्षी पार्टियों के एजेंट भी देखते हैं और हर बूथ पर नजर डालते है और वह भी जिला प्रशासन का अनुमोदन होता है वो तो ऑनलाइन आप भी देख सकते हैं अतः इस पर चर्चा करना व्यर्थ है चीन से जमीन हड़पने के दावे को सुप्रीम कोर्ट ने अभी अभी आपको समझाया है अतः शांति से काम ले और केवल देश में ही नहीं विदेशों में महिलाओ के बारे में आवाज़ उठाऐंगे तो यहाँ की महिलाओ पर भरोसा होगा एक रिपोर्ट के अनुसार 4 प्रतिशत जापानी महिलाओं ने और 49 प्रतिशत पेरू के ग्रामीण इलाकों की महिलाओं ने उग्र शारीरिक हिंसा का अनुभव किया, जबकि अधिकांश देशों में यह प्रतिशत 13 और 26 के बीच में है। यदि महिलाओं के साथ आंशिक हिंसा का व्यवहार हुआ है

तो इस बात की बड़ी भारी संभावना है कि किसी समय उनके साथ उग्र हिंसा का व्यवहार भी हो सकता है। केवल तीन देशों-बंगला देश, जापान, सर्बिया और मोन्टेनेग्रो में उन महिलाओं के साथ, जिनके साथ उग्र हिंसा का व्यवहार किया गया था, औसत दर्जे की हिंसा की समस्या का भी सामना करना पड़ा।

उन महिलाओं का अनुपात, जो अपने पुरुष साथियों की शारीरिक हिंसा से पीड़ित हुई, जापान में 13 प्रतिशत से लेकर पेरू के ग्रामीण क्षेत्रों में 61 प्रतिशत तक रहा। जापान में यौन हिंसा का प्रतिशत भी सबसे कम 6 प्रतिशत रहा, जबकि सबसे अधिक प्रतिशत 59 प्रतिशत इथियोपिया में रहा। कुल मिलाकर उन महिलाओं का प्रतिशत, जिनका उनके साथी के द्वारा यौन उत्पीड़न किया गया, जापान, सार्बिया और मोन्टेनेग्रो में 6 प्रतिशत और इथियोपिया में 59 प्रतिशत रहा। अधिकांश क्षेत्रों में यह प्रतिशत 10 और 50 प्रतिशत के बीच में रहा।

उन महिलाओं का प्रतिशत, जिन्हें शारीरिक संभोग के लिए जबरन मजबूर किया गया, सर्बिया और मोन्टेनेग्रो में 4 प्रतिशत और बंग्लादेश और इथियोपिया के ग्रामीण क्षेत्रों में 46 प्रतिशत रहा। लगभग एक तिहाई इथियोपियन महिलाओं ने पिछले एक वर्ष में किसी साथी के द्वारा उनकी इच्छा के विरुद्ध यौन-संबंध बनाने की शिकायत की। जबरन यौन-संबंध की ऊंची दर एड्स की बीमारी और अधिकांश महिलाओं की अपने-आपको संक्रमण से न बचा पाने वाली कठिनाई के प्रकाश में विशेष रूप से चैंकाने वाली है। आज, पीड़ित महिलाओं की सहायता की आवश्यकता है।

हमें विश्वभर में स्वास्थ्य के मामले में स्त्रियों और पुरुषों की लैंगिक समानता का समर्थन करना चाहिए ऐ बात उठाएं और सही समस्या का हल निकाले तो शायद आपका सम्मान बढ़ेगा और जहाँ तक बिहार की बात है नीतीश कुमार की सरकार को हिलाना इतना आसान नहीं है हिलाने में खुद उनकी समर्थन की पार्टी आरजेडी 2024 में चली गई और एनडीए मजबूत हुआ अब तो आदरणीय गृह मंत्री और नीतीश कुमार एक मंच पर देखने को मिले और नीतीश कुमार ने अपनी उपलब्धी एनडीए के पक्ष में दिखलाई अतः वहाँ महा गठबंधन में ही आपस में लड़ रहें हैं ऐसे में कांग्रेस की क़ोई चिंता क़ोई नहीं कर रहा है सब अपने अपने सीट बटोरने में जुटी है अतः पहले जमीनी हकीकत को जानने की कोशिश करें भारत जोड़ो यात्रा के कारण सीट मिली है जनता से जुड़े और देश हित में निर्णय ले। अतः विपक्षी पार्टी को देशहित में निर्णय लेना चाहिए।

संपादकीय

स्वदेशी का संकल्प

ट्रंप की टैरिफ दादागीरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण हो। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

आपदा में दिख रही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता

(लेखक-हर्षवर्धन पान्डे)

मध्यप्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने कई जिलों में तबाही मचाई लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता ने राहत कार्यों को एक नई दिशा देने का कार्य किया है। उनकी कार्यशैली में जनता की सुरक्षा और जनकल्याण पहली प्राथमिकता है जिसका स्पष्ट प्रमाण हाल के दिनों में अतिवृष्टि और बाढ़ के दौरान प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं में किए गए राहत कार्यों और अनेक फैसलों में देखा जा सकता है।

प्राकृतिक आपदा के समय त्वरित निर्णय लेने की सबसे अधिक आवश्यकता किसी भी शासक को होती है। डॉ. मोहन यादव ने अपने अभी तक के कार्यकाल में इस बात को साबित किया है आपदा की घड़ी में त्वरित निर्णय लेकर अनेक जिंदगियों को बचाया जा सकता है। डॉ. मोहन यादव ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि जान-माल की सुरक्षा करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन दिनों बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार समीक्षा कर रहे हैं जिसके चलते प्रशासन भी पूरा मुस्तैद नजर आ रहा है। मध्यप्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न संकट के दौरान उन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और प्रशासन के समन्वित प्रयासों के माध्यम से प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोहन सरकार ने अतिवृष्टि से प्रभावित 432 बचाव अभियान चलाकर 3628 नागरिकों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया और 53 राहत शिविरों में 3065 लोगों को भोजन, दवाइयां, कपड़े और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की। प्रदेश में तैनात बचाव राहत दलों द्वारा 432 बचाव अभियान चलाए गए जिसमें 3628 नागरिकों तथा 94 मवेशियों को जीवित बचाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव में एक कुशल प्रशासक के साथ एक संवेदनशील राजनेता की छवि भी दिखाई देती है। वे आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए तत्काल पहुंचते हैं और प्रशासन को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी देते हैं। उन्होनें स्वयं आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। गुना में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को समझकर तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उनकी यह संवेदनशीलता न केवल प्रशासन को प्रेरित करती है, बल्कि जनता में भी विश्वास जगाती है कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत दिनों हुई भारी वर्षा ने जिले में 32 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस चुनौती का प्रशासन ने तत्परता एवं समन्वय के साथ सामना किया। इस दौरान एनडीआरएफ की 70 सदस्यीय टीम द्वारा सघन बचाव कार्य किए। विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं एवं प्रशासनिक अमले ने मिलकर भोजन पैकेट वितरण, अस्थायी आश्रय स्थल की स्थापना तथा आवश्यक सामग्री वितरण जैसे राहत कार्य किए गए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन, छिंदवाड़ा के बाढ़ प्रभावितों से वर्चुअली चर्चा की और प्रभावितों से बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावितों को अभी तक 58 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरित कर चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 2025-26 में राहत के विभिन्न मदों में अब तक 123 करोड़ की राहत राशि प्रभावितों को वितरित की गई है।

अभी कुछ दिन पहले सीएम डॉ.यादव शिवपुरी जिले के ग्राम पचावली पहुंचकर भीषण बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित राहत कार्यों का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि अतिवर्षा से उत्पन्न परिस्थितियाँ हमारे लिए परीक्षा की घड़ी हैं। जनता के सहयोग और प्रशासन के समर्पण से स्थिति पर नियंत्रण पाया गया है। उन्होंकने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ग्रस्तर क्षेत्रों में राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उनके इस संवेदनशील और सक्रिय दृष्टिकोण की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जमकर तारीफ की है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उन्होंने प्रभावित परिवारों को मकान क्षति और खाद्यान्न के लिए तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही, मक्का और सोयाबीन की फसलों को हुए नुकसान के लिए मुआवजे का निर्देश भी दिया। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए और मुआवजा शीघ्र वितरित हो। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव का ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने और त्वरित कार्रवाई करने का प्रयास सराहनीय है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाढ़ से प्रभावित स्थायनीय नागरिकों को मकान क्षति तथा खाद्यान्न के लिए सहायता राशि भी प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए पहले से ही व्यापक तैयारियां शुरू कर दी थी। 22 जुलाई को उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को बाढ़ की पूर्व तैयारियों के लिए निर्देश दिए और 9 जून को मुख्य सचिव द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई थी। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और धार में तैनात की गई, जबकि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल को संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय किया गया। पूरे प्रदेश में 259 संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर डिजास्टर रेस्पॉन्स सेंटर स्थापित किए गए और 111 क्रिक रेस्पॉन्स टीमें तैनात की गई। इसके अतिरिक्त, 3300 आपदा मित्रों और 80,375 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया जिससे जन-सामान्य को आपदा प्रबंधन में शामिल किया जा सका। यह दर्शाता है कि डॉ.मोहन यादव का दृष्टिकोण न केवल प्रशासनिक स्तर पर, बल्कि सामुदायिक सहभागिता के स्तर पर भी बेहद प्रभावी रहा है। सरकार द्वारा प्रदेश में अतिवृष्टि प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविर अभियान चलाकर उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएँ प्रदान की जा रही है। इन राहत शिविरों में दवाइयां, भोजन तथा पेयजल त्विरित रूप से उपलब्धस कराया जा रहा है। इसके अलावा वैकल्पिक मार्ग तत्काल उपलब्ध। कराये जा रहे हैं ताकि आवागमन में कोई व्यतवधान उत्पान्नच न हो। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को बाढ़ के खतरों के बारे में समय रहते सूचित किया जाये।

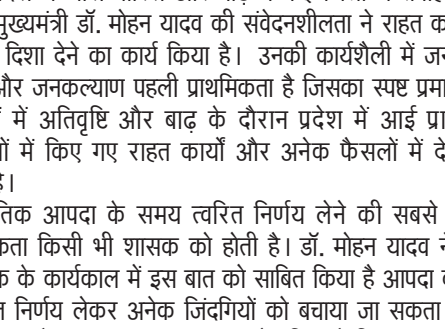

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बर्बादी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

विचार मंथन

देश में समस्याओं की भरमार और कांग्रेस की डिनर डिप्लोमेसी

(लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान)

यह सच है कि हमारा प्यारा हिंदुस्तान आज समुद्र के गर्त में छुपे रहस्यों को जानने और चांद में क्या चल रहा है इसकी जानकारी वहीं पहुंचकर हासिल करने में सक्षम हो चुका है। यह हमारे वैज्ञानिक जगत की सफलता का चरम पक्ष है। इस गौरवमयी उपलब्धियों से हमें और आगे जाना है, क्योंकि आसमान नापना अभी भी दुनियां के कथिततौर पर चौधरी बनने वाले देशों के वश की भी बात नहीं। हॉ, भारत इसे पूरा करके जरुर दिखा सकता है। इसकी सीधी और सच्ची वजह यह है कि हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है। जो हमें सिखाती है कि पृथ्वी को परिवार मानकर विश्व का कल्याण करना सबसे महत्वपूर्ण है। पर यह के समान बढ़ रहीं समस्याओं से निजाद पा लें। वर्तमान में देश कई जटिल समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा है। इसमें सबसे बड़ी चुनौती देश में मौजूद आर्थिक असमानता है। देश का संपन्न वर्ग लगातार और धनवान होता चला जा रहा है, जबकि अधिकांश लोग गरीबी रेखा के ईद-गिर्द ही बने हुए किसी तरह से अपना जीवनयापन करते नजर आ रहे हैं। अमीर और गरीब के बीच की यह चौड़ी खाई यदि और बढ़ती है तो देश की सुख-शांति को भी यह खा सकती है। इसलिए इसका समाधान समय रहते करना ही होगा। इससे हटकर पढ़े-लिखे वर्ग में बेरोजगारी का जो प्रतिशत बढ़ रहा है वह भी गंभीर बात है। वहीं देश का प्रत्येक तबका बढ़ती महंगाई से परेशान नजर भ्रष्टाचार चरम पर है, रिश्वतखोरी बदस्तूर जारी है, अपराध का रेशो लगातार बढ़ रहा, जिसे आंकड़ों की बाजीगरी से घटाने की कोशिश भी की जा रही है। आतंकियों की घुसपैठ और आमजन के साथ ही हमारे जवानों का शहीद होना कोई छोटी-मोटी समस्या का हिस्सा नहीं है। इन सब में जलवायु संकट, कृषि संकट और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति देशवासियों का घटता भरोसा किसी ज्वलंत समस्या से कम नहीं है।

इन सब के लिए किसे दोषी ठहराया जाए, क्योंकि मुल्क के असली मालिकों ने यदि सत्ता चलाने के लिए स्थिर सरकारें दीं हैं तो सिर्फ इसलिए कि देश का कल्याण हो, न कि मनमर्जी से उन्हीं पर शासन करने के लिए चंद लोगों के लिए है, जबकि देश की आमजनता उससे अछूती ही है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी बन जाती है कि वो महज चुनावी जीत तक सीमित न रहें, बल्कि इन समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस नीतियां और कार्ययोजनाएं बनाएं। मगर अफसोस कि भारतीय राजनीति की दिखावटी एकजुटता भी असली मुद्दों से दूर नजर आ रही है। इनके पास ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले मुद्दे जो हैं, जिनके दम पर ये अपना हित साधने में लगे रहते हैं।

थोड़ी देर के लिए इन सब से हटकर विचार करें कि अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान क्या किया, भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों विचारणीय है। दरअसल उनका कहना है कि आज दुनिया में जो देश दादागिरी कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर पा रहे क्योंकि वे आर्थिक तौर पर मजबूत हैं और उनके पास बेहतर टेक्नोलॉजी है।

ऐसे में उन्होंने निर्यात बढ़ाने और आयात घटाने का सजेशन दे दिया है। इस पर तो वो खुद भी अमल कर सकते हैं, क्योंकि वर्तमान सरकार का वो हिस्सा हैं। सरकार में रहते हुए नीतियां बनाना और उन्हें अमल में लाना आसान होता है, जबकि विपक्ष में रहते हुए सरकार के काम-काज की खामियां गिनाना आसान होता है, लेकिन उन्हें दूर करने के लिए रास्ता सुझाते हुए उसे मनवा लेना बहुत कठिन काम होता है। यह सच है कि हम आत्मनिर्भर हैं, पर यह तभी संभव होगा जबकि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत होगी। इसी बीच खबर है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 11 अगस्त को इंडिया ब्लॉक के सांसदों को डिनर पार्टी देने जा रहे हैं।

इससे पहले राहुल गांधी ने भी विपक्षी नेताओं को डिनर पर बुलाया था, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किए जाने के साथ ही वोट चोरी मॉडल के खिलाफ लड़ने की शपथ भी ली गई थी। यदि यह डिनर डिप्लोमेसी इतनी ही कारगर साबित हो रही है तो इसे वाकई आगे भी जारी रखा जाना चाहिए, वर्ना यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी देश में एक तबका ऐसा मौजूद है जिसे दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं हो रही है। इस

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीवीआर आईनॉक्स को मिली दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया, घाटा घटा: एमडी

नई दिल्ली । मल्टीप्लेक्स ऑपरेटर पीवीआर आईनॉक्स ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया पाई है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी के सिनेमाघरों में 3.4 करोड़ दर्शकों ने फिल्में देखीं, जो पिछले साल की तुलना में 12 फीसदी अधिक है। कंपनी का शुद्ध घाटा 179 करोड़ रुपये से घटकर 54.5 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि परिचालन आय बढ़कर 1,469.1 करोड़ रुपये हो गई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक ने कहा कि बड़े पर्दे पर फिल्म देखना भारतीय दर्शकों के लिए मनोरंजन का प्रमुख माध्यम बना रहेगा। जुलाई में रिलीज हुई फिल्मों को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और 14 अगस्त को रजनीकांत की 'कुली' और 'वॉर 2' जैसी बड़ी फिल्मों के कारण दर्शकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों के रुझान कम होने से सिनेमाघरों में भीड़ बढ़ेगी। कंपनी दर्शकों को बेहतर अनुभव देने पर जोर दे रही है।

रेलवे ने टिकट के डिजिटल पेमेंट पर लगने वाले एक्स्ट्रा चार्ज को बताया सुविधा शुल्क

- एक्स्ट्रा चार्ज को लेकर राज्यसभा में उठे सवाल पर रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सफाई दी

नई दिल्ली। ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग पर डिजिटल पेमेंट के दौरान लगने वाले एक्स्ट्रा चार्ज को लेकर राज्यसभा में उठे सवाल पर रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह कोई टैक्स नहीं, बल्कि कंविनियंस फीस यानी सुविधा शुल्क है, जो आईआरसीटीसी के डिजिटल सिस्टम के संचालन और अपग्रेड के लिए लिया जाता है। रेल मंत्री के अनुसार एसी टिकट बुक करने पर 20 और नॉन-एसी टिकट पर 10 का शुल्क लिया जाता है। यह शुल्क केवल ऑनलाइन टिकट बुकिंग पर लागू होता है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से यात्रियों को रेलवे काउंटर तक जाने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है। सांसद संजय सिंह ने सवाल उठाते हुए कहा था कि जब सरकार कैशलेस इकोनॉमी को बढ़ावा दे रही है, तब डिजिटल पेमेंट पर एक्स्ट्रा चार्ज लेना तर्कसंगत नहीं है। इससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिलने के बजाय बाधा आ सकती है। रेल मंत्री ने यह भी बताया कि आज 87 फीसदी रिजर्वेशन टिकट ऑनलाइन बुक होते हैं, जो आईआरसीटीसी की डिजिटल सेवा की लोकप्रियता को दर्शाता है। इसके साथ ही रेलवे अपने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को अत्याधुनिक बना रहा है। यह सिस्टम अब हर मिनट 1 लाख टिकट बुक करने की क्षमता रखेगा, जो फिलहाल 25,000 टिकट प्रति मिनट है। यह अपग्रेडेशन सेंट्रल फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम्स के जरिए किया जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह शुल्क डिजिटल पेमेंट को हतोत्साहित करने के लिए नहीं, बल्कि सिस्टम के रखरखाव की लागत निकालने के लिए है।

हाइब्रिड फंड्स में निवेशकों का बढ़ता भरोसा

- आर्बिट्राज और मल्टी एसेट फंड्स ने मारी बाज़ी

नई दिल्ली । जून 2025 को समाप्त तिमाही में ओपन-एंडेड हाइब्रिड स्कीम्स में निवेशकों की प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में आर्बिट्राज फंड्स और मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स सबसे तेजी से आगे बढ़े हैं। मार्च 2025 की तुलना में आर्बिट्राज फंड्स का एयूएम 22.2 फीसदी बढ़ा, जबकि मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स में 15.4 फीसदी की वृद्धि हुई। यह ट्रेंड इस बात का संकेत है कि निवेशक अब कम जोखिम और स्थिर रिटर्न वाले विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। हाइब्रिड फंड कैटेगरी में भी अच्छा प्रदर्शन देखने को मिला। बैलेंस्ड हाइब्रिड/एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स ने 8.9 फीसद की वृद्धि दर्ज की, जबकि इक्विटी सेविंग्स फंड्स में 8.2 फीसदी और डायनेमिक एसेट एलोकेशन/बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स में 8.1 फीसदी की बढ़त हुई। इसके विपरीत, कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड्स सबसे कमजोर साबित हुए, जिनमें मात्र 3.4 फीसदी की वृद्धि देखी गई।

आईसीआईसीआई बैंक आज से लेगा यूपीआई ट्रांजैक्शन शुल्क....पेमेंट एग्रीगेटर्स से

सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप में भारी उतार-चढ़ाव रहा

- सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बरकरार रही

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगातार छठे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। इस बीच टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 6 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1,36,151.24 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका मार्केट कैप 34,710.8 करोड़ रुपये घटकर 18,51,174.59 करोड़ रुपये रह गया। इसके बाद एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 29,722.04 करोड़ रुपये गिरकर 15,14,303.58 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का 24,719.45 करोड़ रुपये घटकर 10,25,495.69 करोड़ रुपये, और इंफोसिस का 19,504.31 करोड़ रुपये घटकर 5,91,423.02 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में भी क्रमशः 15,053.55 करोड़ और 12,441.09 करोड़ रुपये की गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखी गई। एलआईसी का मार्केट कैप 17,678.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,77,187.67 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का मार्केट कैप 11,360.8 करोड़ रुपये बढ़कर 10,97,908.66 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का 9,784.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7,42,649.34 करोड़ रुपये, और बजाज फाइनेंस का 186.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,45,148.52 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बरकरार रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट

जियो फाइनेंशियल ने किया शेयरधारकों को 0.50 रुपए डिविडेंड का ऐलान

- डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 11 अगस्त तय की गई

नई दिल्ली । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने निवेशकों को खुशखबरी दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 0.50 प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है। डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 11 अगस्त 2025 तय की गई है। यानी इस तारीख तक जिन शेयरधारकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, वे डिविडेंड के पात्र होंगे। कंपनी की दूसरी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 28 अगस्त गुरुवार को होगी। एजीएम में डिविडेंड प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद, इसका भुगतान एक हफ्ते के भीतर किया जाएगा। वहीं एजीएम में वोटिंग के लिए कंपनी ने 21 अगस्त को कट-ऑफ डेट घोषित की है। इसी तारीख के आधार पर यह तय होगा कि कौन-कौन शेयरधारक एजीएम में भाग लेकर प्रस्तावों पर मतदान कर सकेंगे। शेयर बाजार की बात करें तो 8 अगस्त को बीएसई पर जियो फाइनेंशियल का शेयर 321.55 पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव 325.30 से 1.15 फीसदी कम है। कंपनी का पीई रेशियो पिछले चार तिमाहियों से 50 से ऊपर बना हुआ है, जो निवेशकों का भरोसा दर्शाता है।

पेट्रोल पंप के लाइसेंस मानकों को संशोधित कर सकती है सरकार

- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया

नई दिल्ली । सरकार ने पेट्रोल पंपों के लाइसेंस जारी करने के मानदंडों को शिथिल करने और नीति में सुधार करने की तैयारी शुरू कर दी है। यह कदम बदलते वैश्विक ईंधन परिदृश्य और भारत में ऊर्जा सुरक्षा एवं कार्बन उत्सर्जन घटाने के राष्ट्रीय लक्ष्यों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 2019 की नीति की समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता बीपीसीएल के पूर्व निदेशक (विपणन) सुखमल जैन कर रहे हैं। समिति में पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के महानिदेशक पी. मनोज कुमार, फिपी के सदस्य पीएस रवि और मंत्रालय के निदेशक (विपणन) अरुण कुमार भी शामिल हैं। समिति का उद्देश्य मौजूदा नीति का पुनर्मूल्यांकन, वैकल्पिक ईंधनों और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के सुझाव देना और नीति के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों की पहचान करना है। सरकार ने 6 अगस्त को आदेश जारी कर हितधारकों और जनता से 14 दिनों के भीतर सुझाव मांगे हैं। 2019 में संशोधित नियमों के तहत, गैर-पेट्रोलियम कंपनियों को शुद्ध संपत्ति के आधार पर पेट्रोल-डीजल बेचने की अनुमति दी गई थी। वर्तमान में देश में लगभग 97,804 पेट्रोल पंप हैं, जिनमें इंडियन ऑयल, बीपीसीएल, एचपीसीएल जैसी सरकारी कंपनियों का बड़ा हिस्सा है। निजी क्षेत्र में रिलायंस-बीपी, नायरा एनर्जी और शेल के भी कई पंप संचालित हैं। वैश्विक ऊर्जा कंपनियां जैसे टोटल एनर्जीज़, बीपी, ट्रैफिगुरा और सऊदी अरामको भी भारतीय खुदरा ईंधन बाजार में हिस्सेदारी की इच्छा रखती हैं। नई नीति के जरिए सरकार ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और वैकल्पिक ईंधनों को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रही है।

टैरिफ़ विवाद, मुद्रास्फीति और विदेशी निवेशक तय करेंगे बाजार की दिशा

– भारतीय कंपनियों के जून तिमाही के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाएं हो सकती हैं जो बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ़ लगाने की घोषणा के बाद भारतीय बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। यह कदम भारतीय जीडीपी वृद्धि को एक फीसदी तक घटा सकता है, जिससे निवेशकों में चिंता है। हालांकि, व्यापार वार्ता में संभावित सुधार से स्थिति में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन घरेलू बाजार इस पर नज़र बनाए रखेगा। इसके अलावा भारतीय और अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार में हलचल पैदा कर सकते हैं। 12 अगस्त को भारत और अमेरिका दोनों देशों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े जारी होंगे। भारत का सीपीआई 1.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि अमेरिका का सीपीआई 2.8 फीसदी तक बढ़ सकता है। मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की संभावना को कम कर सकती है, जिससे विदेशी पूंजी प्रवाह प्रभावित हो सकता है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते से भारत को भी असर हो सकता है।

यदि यह समझौता होता है, तो विदेशी निवेश चीन की ओर रुख कर सकता है, जिससे भारतीय बाजार में गिरावट आ सकती है। वहीं भारतीय कंपनियों के जून तिमाही के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। प्रमुख कंपनियों जैसे बजाज कंज्यूमर, अशोक लीलैंड और ओएनजीसी के परिणामों पर निवेशकों की नज़र रहेगी। इस हफ्ते के बाजार रुझान में वैश्विक और घरेलू संकेतकों का मिश्रित असर देखने को मिलेगा, जिससे भारतीय निवेशकों को सतर्क रहना होगा।

सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप में भारी उतार-चढ़ाव रहा

- सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बरकरार रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगातार छठे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। इस बीच टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 6 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1,36,151.24 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका मार्केट कैप 34,710.8 करोड़ रुपये घटकर 18,51,174.59 करोड़ रुपये रह गया। इसके बाद एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 29,722.04 करोड़ रुपये गिरकर 15,14,303.58 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का 24,719.45 करोड़ रुपये घटकर 10,25,495.69 करोड़ रुपये, और इंफोसिस का 19,504.31 करोड़ रुपये घटकर 5,91,423.02 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में भी क्रमशः 15,053.55 करोड़ और 12,441.09 करोड़ रुपये की गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखी गई। एलआईसी का मार्केट कैप 17,678.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,77,187.67 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का मार्केट कैप 11,360.8 करोड़ रुपये बढ़कर 10,97,908.66 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का 9,784.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7,42,649.34 करोड़ रुपये, और बजाज फाइनेंस का 186.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,45,148.52 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बरकरार रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा। यह आंकड़े बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और निवेशकों की सतर्कता को दर्शाते हैं।

19 अगस्त को खुलेगा श्रीजी शिपिंग और पटेल रिटेल का आईपीओ

नई दिल्ली । शिपिंग समाधान कंपनी श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड और सुपरमार्केट श्रृंखला पटेल रिटेल लिमिटेड का आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा और 21 अगस्त को बंद होगा। एंकर निवेशक 18 अगस्त को बोली लगाएंगे। श्रीजी शिपिंग के आईपीओ में केवल नया निर्गम होगा, जिसमें 1.63 करोड़ शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी 251.2 करोड़ रुपये अधिग्रहण और 23 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने में खर्च करेगी। पटेल रिटेल का आईपीओ 85.18 लाख नए शेयरों और 10.02 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इसकी अनुमानित राशि 250-300 करोड़ है। यह कंपनी 59 करोड़ कर्ज चुकाने, 115 करोड़ कार्यशील पूंजी और शेष राशि सामान्य खर्चों में लगाएगी। दोनों कंपनियों के शेयर 26 अगस्त को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगे। इससे पहले, 11 और 12 अगस्त को तीन अन्य कंपनियों के आईपीओ भी खुल रहे हैं।

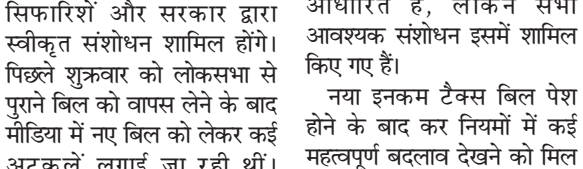

त्योहारी मांग के बावजूद सरसों-मूंगफली तेल के दाम गिरे, बाकी तेल-तिलहन में सुधार

- उपभोक्ताओं का रुख अब सस्ते विकल्प जैसे सोयाबीन और पामोलीन की ओर

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिला। जहां सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए, वहीं सोयाबीन और पाम तेल में सुधार दर्ज किया गया। बाजार सूत्रों के अनुसार, सरसों तेल के दाम आयातित खाद्य तेलों की तुलना में 35-40 रुपये प्रति किलो अधिक हैं, जिससे इसकी मांग कमजोर पड़ी है। उपभोक्ताओं का रुख अब सस्ते विकल्प जैसे सोयाबीन और पामोलीन की ओर है। मूंगफली की नई फसल में बरसात के कारण नमी होने से किसानों को मजबूरी में कम दाम पर बेचना पड़ा। इससे मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतें भी गिरीं। मूंगफली तिलहन का भाव 75 रुपये गिरकर 5,700-6,075 रुपये क्विंटल रहा, जबकि मूंगफली तेल गुजरात का दाम 150 रुपये घटकर 13,500 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। सरकार ने आगामी खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाया है। सोयाबीन का एमएसपी 436 रुपये बढ़ाकर 5,328 रुपये और मूंगफली का 480 रुपये बढ़ाकर 7,263 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। लेकिन वर्तमान बाजार कीमतें एमएसपी से नीचे हैं, जिससे चिंता बनी हुई है। उधर, त्योहारी मांग और स्टॉक की सीमित उपलब्धता के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन में मजबूती रही। सोयाबीन दाने और लूज के भाव क्रमशः 4,875-4,925 रुपये और 4,575-4,675 रुपये क्विंटल रहे। सोयाबीन दिल्ली का तेल 200 रुपये चढ़कर 13,200 रुपये और डीगम तेल 200 रुपये की बढ़त के साथ 10,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पाम तेल में भी सुधार देखा गया। सीपीओ का भाव 280 रुपये बढ़कर 11,380 रुपये और पामोलीन दिल्ली 175 रुपये बढ़कर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसानों को बेहतर दाम दिए जाएं, तो इससे न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

एयर इंडिया ने 7 साल और बढ़ाई पायलट और केबिन क्रू की रिटायरमेंट उम्र

- अब पायलट 65 साल, केबिन क्रू और अन्य कर्मचारी 60 साल तक कर सकेंगे काम

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया ने अपने पायलटों, केबिन क्रू और अन्य कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने का बड़ा फैसला लिया है। अब पायलटों की रिटायरमेंट उम्र 58 साल से बढ़ाकर 65 साल कर दी गई है। केबिन क्रू और अन्य कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र भी 58 साल से बढ़ाकर 60 साल कर दी गई है। इसके साथ ही माना जा रहा है कि केबिन क्रू की रिटायरमेंट उम्र भी 65 साल करने पर विचार चल रहा है ताकि पायलटों के बराबर किया जा सके। यह फैसला एयर इंडिया और विस्तारा के मर्जर के बाद लिया गया है। विस्तारा में पहले से पायलटों की रिटायरमेंट उम्र 65 साल थी, जबकि एयर इंडिया में यह उम्र 58 साल थी।

दोनों एयरलाइंस के विलय के बाद रिटायरमेंट उम्र को समान करने के लिए यह निर्णय लिया गया। एयर इंडिया के सीईओ कैम्बेल विल्सन ने बताया कि इस संबंध में डीजीसीए से अनुमति भी मिल गई है, जिससे पायलट 65 साल की उम्र तक वाणिज्यिक उड़ानें भर सकेंगे। एयर इंडिया में वर्तमान में लगभग 24 हजार कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनमें से 3,600 पायलट और 9,500 केबिन क्रू हैं। पायलटों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने का यह कदम मर्जर से जुड़ी व्यवस्थाओं को सरल बनाने और कर्मचारी संतुष्टि बढ़ाने के लिए माना जा रहा है। हालांकि, यह कदम दो महीने पहले अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की उड़ान दुर्घटना के बाद आया है, जिसमें 265 लोगों की जान गई थी। प्रारंभिक जांच में पायलट की गलती सामने आई है। ऐसे में पायलटों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाना कुछ के लिए चौंकाने वाला निर्णय माना जा रहा है। इसके बावजूद एयर इंडिया इस फैसले के पीछे कर्मचारियों के अनुभव और विशेषज्ञता को ध्यान में रख रही है। एयर इंडिया की यह नई नीति समूह में एकरूपता लाने के साथ ही पायलटों और क्रू के लिए बेहतर करियर अवसर प्रदान करेगी।

संसद में सोमवार को नया इनकम टैक्स बिल पेश होगा

- 285 बदलाव शामिल, रिजिजू ने दूर की अटकल

नई दिल्ली ।

संसद में सोमवार को नया इनकम टैक्स बिल पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में यह बिल पेश करेंगी, जिसमें सिलेक्ट कमेटी की सभी सिफारिशें और सरकार द्वारा स्वीकृत संशोधन शामिल होंगे। पिछले शुक्रवार को लोकसभा से पुराने बिल को वापस लेने के बाद मीडिया में नए बिल को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही थीं। रिजिजू ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि यह बिल पूरी तरह नया नहीं होगा, बल्कि पुराने बिल में सिलेक्ट कमेटी की अध्यक्षता में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा द्वारा सुझाए गए 285 संशोधन जोड़े जाएंगे। सरकार ने इन संशोधनों को पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुराने बिल को वापस लेकर नया बिल पेश करना संसदीय परंपरा का हिस्सा है, खासकर जब सिलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर संशोधन सुझाए गए हों। इससे संसद के लिए बिल पर चर्चा करना और उसे पारित करना आसान हो जाता है। रिजिजू ने कहा कि पहले बिल पर काफी मेहनत की गई थी, इसलिए नया ड्राफ्ट उसी पर आधारित है, लेकिन सभी आवश्यक संशोधन इसमें शामिल किए गए हैं।

नया इनकम टैक्स बिल पेश होने के बाद कर नियमों में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिनमें आयकर स्लैब, छूट, रियायतें और कर प्रशासन से जुड़ी प्रक्रियाओं में सुधार शामिल हो सकता है। सरकार का मानना है कि यह कदम टैक्स व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और समयानुकूल बनाने में मदद करेगा, जिससे करदाता और प्रशासन दोनों को लाभ होगा।

व्यापार तनाव और रुपये में गिरावट से अगस्त में एफपीआई ने 18,000 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । अमेरिका और भारत के बीच बढ़ते व्यापार तनाव, कमजोर तिमाही नतीजों और रुपये की गिरती कीमत के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त 2025 की शुरुआत में भारतीय शेयर बाजार से भारी निकासी की है। डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार, 1 से 8 अगस्त के बीच एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 17,924 करोड़ रुपये निकाले। इससे पहले जुलाई 2025 में भी उन्होंने 17,741 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इस निकासी के साथ वर्ष 2025 में अब तक एफपीआई की कुल इक्विटी निकासी 1.13 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। हालांकि मार्च से जून के बीच एफपीआई ने लगभग 38,673 करोड़ रुपये का निवेश किया था, लेकिन हालिया वैश्विक और घरेलू कारकों ने उनकी निवेश भावना को कमजोर कर दिया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने और उसके बाद अतिरिक्त शुल्क लगाने से बाजार में बेचैनी बढ़ गई है। वहीं रुपये की कमजोर स्थिति और कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों ने भी निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर डाला है। एक वरिष्ठ विश्लेषक ने बताया कि अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफलबढ़ने से निवेशकों का रुझान वहां की ओर गया है। हालांकि एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में 3,432 करोड़ सामान्य ऋण और 58 करोड़ स्वैच्छिक ऋण में भी निवेश किया। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक व्यापार विवाद सुलझ नहीं जाते और रुपये में स्थिरता नहीं आती, तब तक एफपीआई का रुझान कमजोर बना रह सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टीम ने किया कमाल, दो दशकों बाद अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। यांगून (म्यांमार) - यांगून के थुवुन्ना स्टेडियम में ग्रुप डी के अपने अंतिम मुकाबले में मेजबान म्यांमार को 1-0 से हराकर भारत की अंडर-20 महिला राष्ट्रीय टीम ने एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ऐसा 20 वर्षों में पहली बार हुआ है। विंगर पूजा के 27वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत यंग टाइग्रेसेस ने थुवुन्ना स्टेडियम में मेजबान टीम के सामने जीत हासिल की और सात अंकों के साथ अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

यह दो हाफ का खेल था, पहले हाफ में भारत का दबदबा रहा, जबकि दूसरे हाफ में म्यांमार ने दबदबा बनाए रखा। नेहा और सिबानी देवी नोंग्मीकापम ने तीसरे मिनट में ही मिलकर गोल कर दिया, जब सिबानी ने सिबानी देवी को एक क्रॉस दिया, जो गोल करने से बस कुछ ही इंच दूर थी। मेजबान टीम ने सारा दबाव झेलते हुए कुछ जवाबी हमले भी किए और नौवें मिनट में यिन लून इआन के सीने से टकराने के बाद, फॉरवर्ड सु सु खिन करीब पहुंच गईं। जैसे-जैसे मिनट बीतते गए मेजबान टीम ने खेल में अपनी पकड़ मज़बूत करनी शुरू कर दी, लेकिन भारत ने 30 मिनट से कुछ मिनट पहले पूजा के गोल की बदौलत बढ़त बना ली।

दाईं ओर से क्रॉस करने से पहले पूजा ने ही काउंटर पर हमला शुरू किया था। उनकी गेंद सभी से बच गई, लेकिन नेहा, जो दूसरी तरफ से थी, गेंद के सिरे तक पहुंचने में कामयाब रही और उसे वापस गोल में पहुंचा दिया। पूजा, जो तब तक गोलमुख तक पहुंच चुकी थीं, के पास प्रतिक्रिया करने का समय नहीं था और उन्होंने अपने धड़ से गेंद को गोल लाइन के पार पहुंचा दिया। इससे भारतीय खेमे में, कम से कम पहले हाफ के अंत तक घबराहट कम हो गई। यंग टाइग्रेसेस ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और ब्रेक तक अपनी मामूली बढ़त बनाए रखी।

दूसरे हाफ में स्थिति बिल्कुल अलग थी। घरेलू समर्थन से उत्साहित म्यांमार ने पूरी ताकत झोंक दी और भारतीय गोलकीपर मोनालिशा देवी को 48वें मिनट में सु सु खिन को रोकने के लिए एक बेहतरीन बचाव करना पड़ा। भारत ने म्यांमार के लगातार हमलों का सामना किया। मोनालिशा, जिन्होंने पिछले दो मैचों में एक भी गोल नहीं खाया था, को खेल के 10 मिनट बचे थे जब म्यांमार के सब्सटीट्यूट मो प्विंट फ्यू ने एई थेट फ्यू के क्रॉस को हेडर से गोलपोस्ट में मारा। गेंद लाइन पर तेजी से लुढ़कती रही, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने छलांग लगाकर उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया।

फ्यू ने एक बार फिर इस बार 90वें मिनट में, शुभांगी से टकराकर गोलपोस्ट से खेल से बाहर हो गई। कुछ ही सेकंड बाद भारत ने जवाबी हमला किया जब सिबानी ने सुलंजना राउल को एक क्रॉस भेजा, जो भी गोलपोस्ट से टकराया और उनका हेडर क्रॉस-बार से टकरा गया। मेजबान टीम के तमाम दबाव के बावजूद भारत ने अपनी बढ़त बरकरार रखी और दो दशकों में पहली बार क्वालीफिकेशन हासिल किया।

सैमसन ने टी20 में अपनी सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

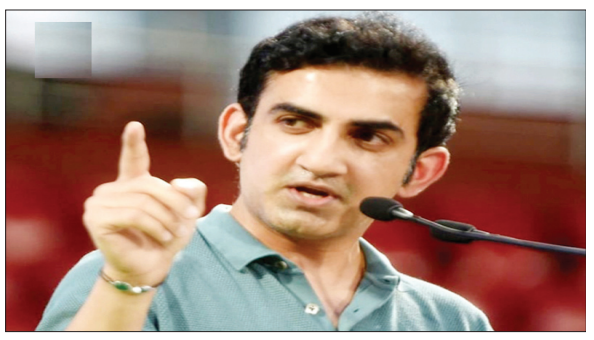

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के कारण ही वह टी20 क्रिकेट में सफल हो पाये हैं। सैमसन ने कहा कि गंभीर खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हैं। सैमसन के अनुसार जब वह टीम में आये थे तब गंभीर ने उनसे कहा था कि उन्हें निडर होगर खेलना चाहिये क्योंकि टीम से बाहर होने से पहले 20 अवसर तो मिलेंगे ही। साथ ही कहा था कि जब वह 21 बार शून्य पर आउट होंगे तभी बाहर किया जाएगा। गंभीर के कोच बनने के बाद सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में तैयार टीम में सैमसन को सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिली थी। सैमसन ने बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर एक मजबूत सलामी जोड़ी बनाकर अपने चयन को सही साबित किया। .

सैमसन ने कहा, 'यह बदलाव अचानक ही टी20 विश्व कप के बाद हुआ। गंभीर आये और सूर्यकुमार कप्तान बने। वहीं मुझे पारी की शुरुआत का अवर मिला। तभी सूर्यकुमार ने कहा कि आपके लिए एक अच्छा अवसर है। हमारे पास सात मैच हैं. मैं आपको सभी सात मैच सलामी बल्लेबाज के तौर पर खिलाऊंगा।' सैमसन ने कहा, 'मैंने इससे पहले श्रीलंका में दो मैच खेले थे पर रन नहीं बना पाया। ड्रेसिंग रूम में थोड़ा निराश था। तब गंभीर मेरे पास आए और पूछा कि क्या हुआ है? मैंने कहा, 'काफी समय बाद मुझे अवसर मिला पर मैं इसका लाभ नहीं उठा पाया।' उन्होंने कहा, कि निराश होने की जरुरत नहीं है। अगर आप 21 बार जीरो पर आउट हो गए, तभी मैं आपको टीम से बाहर करूंगा।' कप्तान और कोच की इन बातों ने निश्चित रूप से मेरा मनोबल बढ़ा और इससे मुझे मैदान पर उतरकर अच्छा प्रदर्शन करने में सहायता मिली.'

सैमसन अब अगले माह होने वाले एशिया कप के लिए टीम में जगह बनाने का प्रयास कर रहे हैं। सैमसन ने भारतीय टीम की ओर से 42 टी20 मैचों में 25.32 की औसत के साथ 861 रन बनाये हैं। उन्होंने इस प्रारुप में तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं।

डेविड वार्नर ने लंदन स्पिरिट को दिलाई पहली जीत, खेली 70 रनों पर नाबाद पारी

लंदन (एजेंसी)। लंदन स्पिरिट ने शनिवार (9 अगस्त) को वेल्श फायर पर 8 रनों की कड़ी जीत के साथ मेन्स हंड्रेड में अपना खाता खोलने में कामयाबी हासिल की। टूर्नामेंट के पहले मैच में अपने खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के बाद, लंदन स्पिरिट ने अनुभवी डेविड वार्नर की अगुवाई में शानदार वापसी की, जिन्होंने 70 रनों पर नाबाद रहते हुए बल्लेबाजी की। वेल्श फायर के सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो भी रन चेज में नाबाद रहे और अपनी टीम द्वारा बनाए गए आधे से ज्यादा रन बनाए, लेकिन फिर भी वे लड़खड़ा गए।

वार्नर पारी की शुरुआत में ही अच्छी फॉर्म में आ गए थे, लेकिन दूसरे छोर पर केन विलियमसन लड़खड़ा गए। आखिरकार उन्होंने मैदान पर छक्का जड़कर अपनी लय तोड़ी, लेकिन जोश हल के आउट होने के कारण ज़्यादा देर तक टिक नहीं पाए। पारी को आधे समय में एक बड़ा झटका तब लगा जब वार्नर और जेमी स्मिथ ने मिलकर क्रिस ग्रीन को तीन छक्के जड़कर आउट कर दिया। यह सिलसिला जारी रहा और स्मिथ ने हल की गेंद पर एक और बड़ा छक्का जड़ा, उसके बाद एक चौका जड़ा, और फिर गेंदबाज ने इस पारी का अंत कर दिया।

इसके बाद एश्टन टर्नर की बारी आई और उन्होंने भी एक उपयोगी छक्का जड़ा। दूसरे छोर पर वार्नर ने रन बनाना जारी रखा और स्कोर को 160 के पार पहुंचाया, जिसका मतलब था कि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के लिए एक ठोस शुरुआत जरूरी थी। हालांकि स्टीव स्मिथ और बेयरस्टो ने अपने पहले मैच में पहले विकेट के लिए 62 रन जोड़े थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शुरुआत में ही स्कूप करने की कोशिश में थर्ड मैन पर आउट हो गए। दुर्भाग्य से वेल्श फायर के लिए, विकेटों के गिरने के साथ ही रन गति की शुरुआत हो गई।

धोनी से आगे निकल जाएंगे पंत, गिलक्रिस्ट भी पीछे छूट सकते हैं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि अगर ऋषभ पंत भारत के लिए ज्यादा मैच खेलते हैं तो वह टेस्ट मैचों में महेंद्र सिंह धोनी के रनों की संख्या को पीछे छोड़ देंगे। टेस्ट मैचों में भारत के उप-कप्तान पंत फिलहाल मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे मैच में बल्लेबाजी करते हुए दाहिने पैर में लगी चोट से उबर रहे हैं।

पंत ने अब तक 47 टेस्ट मैचों में 44.50 की औसत से 3427 रन बनाए हैं। उनके शतकों की संख्या में आठ शतक शामिल हैं, जो धोनी के छह शतकों से दो ज़्यादा हैं, हालांकि धोनी ने 90 टेस्ट मैच खेले हैं। चोपड़ा ने सवाल उठाया है कि क्या यह कहना सही होगा कि पंत भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले सबसे महान विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं।

उन्होंने कहा, 'खेलों और रनों की संख्या के मामले में एमएस धोनी शीर्ष पर हैं। उन्होंने 90 मैच, 144 पारियां

खेली हैं जिनमें 38.09 की औसत से 4876 रन बनाए हैं और उनके नाम छह शतक हैं। ऋषभ पंत ने पिछले पांच सालों में छह शतक लगाए हैं।' चोपड़ा ने कहा, 'अगर हम कुल मिलाकर देखें, तो ऋषभ पंत आठ शतक लगा चुके हैं और एमएस धोनी छह शतक लगा चुके हैं। ऋषभ पंत पहले ही (रनों की संख्या के मामले में) दूसरे स्थान पर हैं। वह एमएस धोनी से 1400 रन पीछे हैं और लगभग आधे मैच खेल चुके हैं। अगर वह और खेलेंगे, तो जाहिर है कि वह एमएस धोनी से आगे निकल जाएंगे।'

इंग्लैंड के हालिया टेस्ट दौरे की 7 पारियों में पंत ने 68.42 की शानदार औसत से 479 रन बनाए जिसमें लीड्स के हेडिंग्ले में सीरीज के पहले मैच में लगाए गए दो शतक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'अगर हम इंग्लैंड में किसी विकेटकीपर द्वारा बनाए गए सबसे ज़्यादा रनों पर नजर डालें, तो वह इंग्लैंड में 1000 रन बनाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। उन्होंने चार शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 13 मैचों और 24 पारियों में 1000 से ज़्यादा रन बनाए हैं। इंग्लैंड में उनकी मूर्तियां बननी शुरू हो सकती हैं।'

चोपड़ा ने आगे कहा, 'अगर हम दुनिया के अब तक के सभी टेस्ट विकेटकीपरों की सूची देखें, तो एडम गिलक्रिस्ट ने 96 मैचों में 47.60 की औसत से 5570 रन बनाए हैं। वह उनसे काफी आगे हैं। हालांकि गिलक्रिस्ट भी पीछे छूट सकते हैं क्योंकि पंत उनसे लगभग 2250 रन पीछे हैं। बिना किसी संदेह के भारत के अब तक के नंबर 1 विकेटकीपर-बल्लेबाज और विश्व क्रिकेट में, वह सबसे बेहतरीन और शायद सर्वश्रेष्ठ में से एक बनकर उभरेंगे।'

बेंगलुरु में 80 हजार दर्शकों की क्षमता वाला नया स्टेडियम बनेगा : सिद्धारमैया

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि बेंगलुरु में नया क्रिकेट स्टेडियम बनाया जाएगा। इस स्टेडियम की क्षमता 80 हजार दर्शकों होगी और ये अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। हाल में चिन्नास्वामी स्टेडिमय में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के बाद हुए समारोह में जगह कम होने के बाद हुए हादसे के बाद नये स्टेडियम को बनाने की मांग उठी थी। जिससे सबक लेते हुए सिद्धारमैया ने नया स्टेडयम बनाने की घोषण कर दी। इस स्टेडियम को बनाने के लिए कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड की सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गयी है। इसमें 1650 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। ये स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जाएगा और इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड उठाएगा। इसमें केवल क्रिकेट मैदान ही नहीं, बल्कि आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा।

वॉन बोले अभी सचिन से बेहतर नहीं हुए हैं रुट

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने हाल ही भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में शानदार बल्लेबाजी करते हुए कई अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। जिसके बाद से ही दावा किया जा रहा है कि वह भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी अच्छे हैं और सबसे अधिक रनों का तेंदुलकर का रिकार्ड भी वह तोड़ सकते हैं। अभी वह सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। इसी को लेकर जब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से पूछा गया कि क्या रुट सचिन से बेहतर हैं तो वॉन ने कहा कि अभी नहीं। उन्होंने कहा कि रूट ने अभी तक 158 टेस्ट मैच खेले हैं। अगर बात सचिन के 200 में से पहले 158 टेस्ट मैचों की करें तो, रूट कई मामलों में अभी भी भारतीय बल्लेबाज से पीछे हैं। उदाहरण के के लिए 158 टेस्ट के बाद सचिन का औसत 54.75 का था, जबकि रूट का औसल 51.29 का है। तेंदुलकर के नाम जहां 158 टेस्ट मैचों में 42 शतक थे, वहीं रूट ने अभी तक इतने ही मैचों में 39 शतक लगाये हैं। हाल ही में संपन्न हुई 5 मैच की टेस्ट सीरीज में रूट ने 537 रन बनाये और वह सीरीज में शुभमन गिल के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। इससे वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की दौड़ में लंबी छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रूट ने इस दौरान राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा अब उनके आगे केवल तेंदुलकर ही हैं। तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में कुल 15921 रन बनाए हैं, वहीं जो रूट 13543 रनों के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। दोनों के बीच अब सिर्फ 2378 रनों का अंतर रह गया है।

जिंजर के चार विकेट, ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को हराकर टी20 सीरीज 3-0 से जीती

मैके (एजेंसी)। सियाना जिंजर के 16 रन देकर 4 विकेट की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ए ने रविवार को मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में भारत ए को चार रन से हराकर टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ए को दूसरे टी20 में 114 रनों से मिली करारी हार के ठीक एक दिन बाद मेहमान टीम ने गेंदबाजी में बेहतर प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया ए को 144/8 पर रोक दिया जिसमें प्रेमा रावत और राधा यादव ने तीन-तीन विकेट लिए।

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 25 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 41 रनों की तेज पारी खेलकर टीम की जीत की नींव रखी। लेकिन क्वींसलैंड जिंजर की 20 वर्षीय ऑलराउंडर सियाना ने आठवें ओवर में शेफाली को आउट करके और 15वें ओवर में राघवी बिष्ट को स्टंप आउट करके मैच का रुख ऑस्ट्रेलिया ए के पक्ष में कर दिया।

इसके बाद सियाना ने 19वें ओवर में राधा और सजाना सजीवन को आउट किया, जिन्होंने सिर्फ तीन रन दिए और मेहमान टीम को जीत से 15 रन दूर छोड़ दिया। पुछल्ले बल्लेबाज क्रीज पर थे, जिसका टेस फ्लिंटॉफ ने आखिरी ओवर में बखूबी बचाव किया और ऑस्ट्रेलिया ए को कड़ी टक्कर देते हुए जीत दिलाई। भारत ए ने 140/8 का स्कोर बनाया।

इससे पहले एलिसा हीली ने 21 गेंदों पर 27 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने एक दिन पहले ही 70 रनों की तूफानी पारी खेली थी। ताहलिया विल्सन (14) और अनिका लियरॉयड (22) ने अच्छी शुरुआत की, जबकि मैडलिन पेना ने 32 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली। इसके बाद सियाना ने 7 गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया ए को 144/8 के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने अंत में गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और मेजबान टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई। दोनों टीमें अब बुधवार को होने वाले पहले वनडे के लिए ब्रिस्बेन जाएंगी।

नीरज और अरशद के बीच सिलेसिया डायमंड लीग में नहीं होगा मुकाबला

दोनो के नाम प्रवेश सूची में नहीं

मुम्बई । इस माह 16 अगस्त को पोलैंड में होने वाली सिलेसिया डायमंड लीग एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच अब मुकाबला देखने को नहीं मिलेगा। इसका कारण है कि इस प्रतियोगित की प्रवेश सूची में इनके नाम नहीं हैं। वहीं इससे पहुले जुलाई में विश्व एथलेटिक्स ने जुलाई में कहा था कि दोनों प्रतिद्वंद्वी अगस्त 2024 में पेरिस ओलंपिक फाइनल के बाद सिलेसिया में पहले बार आमने-सामने आने वाले थे। अब संभावना है कि नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम की अगली भिड़ंत सितंबर में टोक्यो में आयोजित होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में होगी। अरशद ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जबकि नीरज ने रजत पदक जीता। नीरज ने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में भाग लिया था पर वहां अरशद नहीं आये थे। वहीं इससे पहले 24 मई को होने वाले एनसी क्लासिक में इन दोनो का मुकाबला होना था पर भारत-पाक के बीच तनाव के कारण अरशद को उससे बाहर कर दिया गया था। पिछले महीने लंदन में अरशद नदीम की काफ सर्जरी हुई थी। इस कारण भी व कई टूर्नोमेंटों से बाहर थे। अरशद नदीम के कोच सलमान बट ने बताया नदीम अब सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप की तैयारी पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। नीरज इस साल अच्छे फॉर्म में रहे है। उन्होंने मई 2025 में दोहा डायमंड लीग में पहली बार 90.23 मीटर का थ्रो किया था।

रोहित-कोहली को कब तक वनडे प्रारूप में खेलना चाहिए, सौरव गांगुली ने दिया जवाब

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के एकदिवसीय रिकॉर्ड को 'असाधारण' करार देते हुए कहा कि इन दोनों दिग्गजों को 50 ओवर के प्रारूप में तब तक खेलते रहना चाहिए जब तक कि उनका प्रदर्शन अच्छा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में कयास लगाया गया है कि ऑस्ट्रेलिया का आगामी दौरा इन दोनों खिलाड़ियों का आखिरी वनडे दौरा हो सकता है। गांगुली ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि उन्हें ऐसे किसी बात की जनकारी नहीं है। गांगुली ने कहा, 'मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसलिए मैं इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सकता हूं।' गांगुली ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि उनके करियर को आगे बढ़ाने में प्रदर्शन सबसे महत्वपूर्ण कारक होना चाहिए। उन्होंने एक कार्यक्रम के इतर कहा, 'यह कहना मुश्किल है। जो भी अच्छा करेगा, वही खेलेगा। अगर वे अच्छा करते हैं, तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए। कोहली का वनडे रिकॉर्ड असाधारण है, रोहित शर्मा के साथ भी ऐसा ही है। वे दोनों सफेद गेंद की क्रिकेट (सीमित ओवरों के मैच) में असाधारण हैं।' टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूण से संन्यास ले चुके इन दोनों खिलाड़ियों ने 2027 के विश्व कप के बारे में अपनी योजनाओं को अभी तक स्पष्ट नहीं किया है। भारत का एकदिवसीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसके मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद दिसंबर में भारत घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेगा।

एशिया कप में पाकिस्तान-भारत के बीच मुकाबले पर... औपचारिक गारंटी नहीं दे सकता

एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर का बयान

नई दिल्ली । भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम में अप्रैल में हुए आतंकी हमले के बाद से तनाव बढ़ा हुआ है। भारत ने निर्दोष लोगों की जान का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान को सबक सिखाया है। दोनों के बीच छिड़े युद्ध पर भले ही विराम लग गया हो लेकिन रिश्ते अभी भी गर्त पर है। हाल में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लीग और फिर सेमी मुकाबले से भारतीय टीम ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना किया। अब एशिया कप में दोनों टीमों के बीच होने वाले मुकाबले पर सवाल उठ रहे हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के दो मैच रद्द कर दिए गए क्योंकि भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना किया। इसी तरह, आगामी एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का भविष्य भी अनिश्चित है। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में होना है। संभावना है कि दोनों टीमें सुपर 4 और फाइनल में भी आमने-सामने हो सकती हैं। टूर्नामेंट शुरू होने में एक माह से भी कम समय बचा है और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुब्हान अहमद ने सुझाव दिया है कि एशिया कप में दोनों टीमों का एक-दूसरे से न खेलना लगभग असंभव है। सुब्हान अहमद ने कहा, 卐हालांकि मैं औपचारिक गारंटी नहीं दे सकता लेकिन पाकिस्तान और भारत ना खेलें ऐसा कोई जोखिम नहीं दिख रहा। एशिया कप की तुलना निजी टूर्नामेंट जैसे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स से नहीं की जा सकती, जहां भारत ने लीग स्टेज और सेमी-फाइनल दोनों में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था। दुबई और अबू धाबी को 2025 पुरुषों के टी20 एशिया कप के आधिकारिक मेजबान शहरों के रूप में पुष्टि की गई है। टूर्नामेंट का आयोजन 9 से 28 सितंबर तक के बीच होना है। दुबई 11 मैचों की मेजबानी करेगा जिसमें फाइनल भी शामिल है।

मैं उस मौके का फायदा उठाना चाहता था, द ओवल में अपनी 66 रनों की पारी पर बोले आकाश दीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। द ओवल में खेले गए अंतिम टेस्ट मैच में आकाश दीप के बल्ले ने कमाल कर दिया। चौथे नंबर पर नाइटवॉचमैन के रूप में एक मुश्किल स्थिति में उतरते हुए इस तेज गेंदबाज ने अद्भुत धैर्य और संयम का परिचय देते हुए 94 गेंदों में 12 चौकों की मदद से अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 66 रनों की पारी खेली। यशस्वी जायसवाल के साथ उनकी 107 रनों की साझेदारी निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिससे भारत ने 5 मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली।

आकाश ने पारी के बारे में बात करते हुए एक स्पोर्ट्स चैनल पर कहा, 'अगर हम अपने खेले गए मैचों पर नजर डालें, तो एक-दो मैचों को छोड़कर, निचला क्रम ज्यादा रन नहीं बना रहा था। यह बहुत जरूरी है कि निचला क्रम नंबर 9, 10 और 11 टीम के अच्छे प्रदर्शन के लिए कम से कम 25-30 रन जोड़े। जब मुझे नाइटवॉचमैन के तौर पर भेजा गया, तो मैं उस मौके का फायदा उठाना चाहता था और ज्यादा से ज्यादा समय तक वहां रहना चाहता था। मेरी टीम के भले के लिए यही एकमात्र योजना थी। सुबह जब मैंने उन्हें निराश देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं यहां भी कुछ रन बना सकता हूं।' उनकी पारी का एक खास आकर्षण वह स्टाइलिश चौका था जिससे उन्होंने अपना पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा किया।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह योजनाबद्ध था या सिर्फ सहज ज्ञान, आकाश ने खुलासा किया, 'मुझे लगा कि अगर गेंद लेगसाइड पर है और हवा में ऊपर जाती है, कोई फील्डर नहीं है, तो हम वहां बाउंड्री लगा सकते हैं। योजना यह थी कि अगर गेंद लेग-स्टंप क्षेत्र में है, तो मैं उसे हवा में मारूंगा। शॉट थोड़ा गलत टाइमिंग से लगा।' अपने पहले टेस्ट अर्धशतक के साथ आकाश दीप ह्यूग ट्रम्बल, शेन वार्न, इमरान खान, कीथ मिलर और रिचर्ड हैडली के साथ एक मैच में 10 विकेट और इंग्लैंड दौरे पर अर्धशतक लगाने वाले 12वें खिलाड़ी बन गए हैं।

ओवल टेस्ट से पहले 11.48 के प्रथम श्रेणी औसत के साथ आकाश दीप इस सदी में इंग्लैंड में चौथे नंबर पर पुरुष टेस्ट अर्धशतक बनाने वाले सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और शुभमन गिल के साथ चौथे भारतीय हैं। आकाश दीप ने आलोचकों को चुप करा देने वाली, युग-परिभाषित जीत में 10 विकेट लेकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। एजबेस्टन में इंग्लैंड पर 336 रनों से जीत पिछले महीने इस स्थल पर उनकी पहली टेस्ट जीत। टेस्ट मैच के दौरान आकाश ने इंग्लैंड में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्पेल डालकर एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया।

तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड में भारत के लिए एक मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े दर्ज करके रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया और चेतन शर्मा के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। आकाश दीप के 10/187 के मैच के आंकड़े शर्मा के

10/188 के आंकड़े से आगे निकल गए। आकाश दीप 2011 में इसी स्थान पर इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अमित मिश्रा (84 रन) के बाद 50 से अधिक रन बनाने वाले पहले भारतीय नाइटवॉचमैन भी हैं। यह साझेदारी इस मौजूदा इंग्लैंड दौरे में 18वीं 100 रन की साझेदारी थी, जो इस सदी में (2000 के बाद से) किसी टेस्ट श्रृंखला में सर्वाधिक है, इससे पहले 2003-04 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 17 बार साझेदारी हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य

आर्यभट्ट के अनुसार महाभारत युद्ध 3137 ईपू में हुआ। इस युद्ध के 35 वर्ष पश्चात भगवान कृष्ण ने देह छोड़ दी थी तभी से कलियुग का आरंभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार 8वें अवतार के रूप में विष्णु ने यह अवतार 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्रीकृष्ण के रूप में देवकी के गर्भ से 8वें पुत्र के रूप में मथुरा के कारागार में जन्म लिया था। उनका जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकलने के बाद 8वें मुहूर्त में हुआ। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि थी जिसके संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5125 वर्ष पूर्व) को जन्म हुआ।

ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था। भगवान श्रीकष्ण ने आठ महिलाओं से विधिवत विवाह किया था। इन आठ महिलाओं से उनको 80 पुत्र मिले थे। इन आठ महिलाओं को अष्टा भार्या कहा जाता था। इनके नाम हैं : अष्ट भार्या : कृष्ण की 8 ही पत्नियां थीं यथा- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा।

- श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के पुत्र - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू।
- जाम्बवती-कृष्ण के पुत्र - साम्ब, सुमित्र, पुरुजित, शतजित, सहस्त्रजित, विजय, चित्रकेतु, वसुमान, द्रविड़ और क्रतु।
- सत्यभामा-कृष्ण के पुत्र - भानु, सुभानु, स्वरभानु, प्रभानु, भानुमान, चंद्रभानु, वृहद्भानु, अतिभानु, श्रीभानु और प्रतिभानु।
- कालिंदी-कृष्ण के पुत्र- श्रुत, कवि, वृष, वीर, सुबाहु, भद्र, शांति, दर्श, पूर्णमास और सोमक।
- मित्रविन्दा-श्रीकृष्ण के पुत्र- वृक, हर्ष, अनिल, गृध्र, वर्धन, अन्नाद, महांस, पावन, वह्नि और क्षुधि।
- लक्ष्मणा-श्रीकृष्ण के पुत्र- प्रघोष, गात्रवान, सिंह, बल, प्रबल, ऊर्ध्वग, महाशक्ति, सह, ओज और अपराजित।
- सत्या-श्रीकृष्ण के पुत्र- वीर, चन्द्र, अश्वसेन, चित्रगुप्त, वेगवान, वृष, आम, शंकु, वसु और कुंति।
- भद्रा-श्रीकृष्ण के पुत्र-संग्रामजित, वृहत्सेन, शूर, प्रहरण, अरिजित, जय, सुभद्र, वाम, आयु और सत्यक।

कृष्ण कुल का नाश

गांधारी के शाप के चलते भगवान श्री कृष्ण के कुल का नाश हो गया था। उल्लेखनीय है कि गांधारी ने यदुकुल या यदुवंश के नाश का शाप नहीं दिया था। मथुरा अंधक संघ की राजधानी थी और द्वारिका वृष्णियों की। ये दोनों ही यदुवंश की शाखाएं थीं। यदुवंश में अंधक, वृष्णि, माधव, यादव आदि वंश चला। श्रीकृष्ण ने मथुरा से जाकर द्वारिका में अपना स्थान बनाया था। श्रीकृष्ण ने द्वारिका का फिर से निर्माण कराया था, क्योंकि उनकी चीन यात्रा के दौरान शिशुपाल ने द्वारिका को नष्ट कर दिया था। श्रीकृष्ण वृष्णि वंश से थे। वृष्णि ही 'वार्ष्णेय' कहलाए, जो बाद में वैष्णव हो गए।

महाभारत युद्ध के बाद जब 36वां वर्ष प्रारंभ हुआ तो राजा युधिष्ठिर को तरह-तरह के अपशकुन दिखाई देने लगे। विश्वामित्र, असित, दुर्वासा, कश्यप, वशिष्ठ और नारद आदि बड़े-बड़े ऋषि द्वारका के पास पिंडारक क्षेत्र में निवास कर रहे थे। एक दिन सारण आदि किशोर जाम्बवती नंदन साम्ब को स्त्री वेश में सजाकर उनके पास ले गए और बोले- ऋषियों, यह कजरारे नैनों वाली बभ्रु की पत्नी है और गर्भवती है। यह कुछ पूछना चाहती है लेकिन सकुचाती है। इसका प्रसव समय निकट है, आप सर्वज्ञ हैं। बताइए, यह कन्या जनेगी या पुत्र। ऋषियों से मजाक करने पर उन्हें क्रोध आ गया और वे बोले, 'श्रीकृष्ण का पुत्र साम्ब वृष्णि और अर्धकवंशी पुरुषों का नाश करने के लिए लोहे का एक विशाल मूसल उत्पन्न करेगा। केवल बलराम और श्रीकृष्ण पर उसका वश नहीं चलेगा। बलरामजी स्वयं ही अपने शरीर का परित्याग करके समुद्र में प्रवेश कर जाएंगे और श्रीकृष्ण जब भूमि पर शयन कर रहे होंगे, उस समय जरा नामक व्याध उन्हें अपने बाणों से बींध देगा।' मुनियों की यह बात सुनकर वे सभी किशोर बहुत डर गए। उन्होंने तुरंत साम्ब का पेट (जो गर्भवती दिखने के लिए बनाया गया था) खोलकर देखा तो उसमें एक मूसल मिला। वे सब बहुत घबरा गए और मूसल लेकर अपने आवास पर चले गए। उन्होंने भरी सभा में वह मूसल ले जाकर रख दिया। उन्होंने राजा उग्रसेन सहित सभी को यह घटना बता दी। उन्होंने उस मूसल का चूरा-चूरा कर डाला तथा उस चूरे व लोहे के छोटे टुकड़े को समुद्र में फिंकवा दिया जिससे कि ऋषियों की भविष्यवाणी सही न हो। लेकिन उस टुकड़े को एक मछली निगल गई और चूरा लहरों के साथ समुद्र के किनारे आ गया और कुछ दिन बाद एरक (एक प्रकार की घास) के रूप में उग आया। मछुआरों ने उस मछली को पकड़ लिया। उसके पेट में जो लोहे का टुकडा था उसे जरा नामक ब्याध ने अपने बाण की नोंक पर लगा लिया। मुनियों के शाप की बात श्रीकृष्ण को भी बताई गई थी। उन्होंने कहा- ऋषियों की यह बात अवश्य सच होगी। एकाएक उन्हें गांधारी के शाप की बात याद आ गई। वृष्णिवंशियों को दो शाप- एक गांधारी का और दूसरा ऋषियों का। श्रीकृष्ण सब कुछ जानते थे लेकिन शाप पलटने में उनकी रुचि नहीं थी।

36वां वर्ष चल रहा था। उन्होंने यदुंवशियों को तीर्थयात्रा पर चलने की आज्ञा दी। वे सभी प्रभास में उत्सव के लिए इकट्ठे हुए और किसी बात पर आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ा कि वे वहां उग आई घास को उखाड़कर उसी से एक-दूसरे को मारने लगे। उसी 'एरका' घास से यदुवंशियों का नाश हो गया। हाथ में आते ही वह घास एक विशाल मूसल का रूप धारण कर लेती। श्रीकृष्ण के देखते-देखते साम्ब, चारुदेष्ण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध की मृत्यु हो गई।

मौसुल युद्ध

इस आपसी झगड़े को मौसुल युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध के कई रहस्य हैं। झगड़े की शुरुआत कृतवर्मा के अपमान से हुई। सात्यकि ने मदिरा के आवेश में उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि अपने को क्षत्रिय मानने वाला ऐसा कौन वीर होगा, जो रात में मुर्दे की तरह सोए मनुष्यों की हत्या करेगा। तूने जो अपराध किया है, यदुवंशी उसे कभी माफ नहीं कर सकते। उसके ऐसा कहने पर प्रद्युम्न ने भी कृतवर्मा का अपमान करते हुएउनकी बात का समर्थन किया। कृतवर्मा ने महाभारत का युद्ध लड़ा था और वे युद्ध में जीवित बचे 18 योद्धाओं में से एक थे। कृतवर्मा यदुवंश के अंतर्गत भोजराज हृदिक का पुत्र और वृष्णि वंश के 7 सेनानायकों में से एक था। महाभारत युद्ध में इसने एक अक्षौहिणी सेना के साथ दुर्योधन की सहायता की थी। कृतवर्मा कौरव पक्ष का अतिरथी योद्धा था। कृतवर्मा को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने एक हाथ उठाकर सात्यकि का तिरस्कार करते हुए कहा, 'भूरिश्रवा की बांह कट गई थी और वे मरणांत उपवास का निर्णय कर युद्ध भूमि में बैठ गए थे, उस अवस्था में भी तुमने वीर कहलाकर भी उनकी नृशंसतापूर्वक हत्या क्यों कर दी थी। यह तो नपुंसकों जैसा कृत्य था। इस बात पर सात्यकि को क्रोध आ गया। उन्होंने तलवार से कृतवर्मा का सिर धड़ से अलग कर दिया। बात बढ़ती चली गई और सब काल-कवलित हो गए। मूसल के प्रहार से उन सबने एक-दूसरे की जान ले ली।

ऐसे सपने बताते हैं घर में आने वाली हैं खुशियां

सपने सभी को दिखाई देते हैं। उनमें से कुछ सपने अच्छे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जबकि कुछ भविष्य में आने वाली परेशानियों से आगाह करते हैं। स्वप्न ज्योतिष के अनुसार, सपनों का संबंध कहीं न कहीं आपके मन और आपकी चाहतों से होता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्ताओं के अनुसार सपने आने वाले शुभ और अशुभ फलों के बारे में बताते हैं। कुछ सपने ऐसे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इनके दिखने का मतलब है घर में आने वाली है बड़ी खुशी। आइए जानते है कुछ ऐसे ही सपनों के बारे में जो ये संकेत देते हैं।

अनार का फल देखना

अनार का फल देखने का मतलब है धन लाभ भी और संतान प्राप्ति का संकेत देता हैं।

आम का पेड़ देखना

अगर सपने में आप आम से लदे हुए पेड़ को देखते हैं तो यह संकेत है कि आपके घर में खुश खबरी आने वाली है।

सपने में सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आपको सपने में सांप दिखने लगे तो इसका मतलब है कि आपके घर में नए मेहमान का आगमन हो सकता है यानी आपके घर में संतान का जन्म हो सकता है। यह सपना धन लाभ का भी सचक माना जाता है।

छोटे बच्चो को खेलते हुए देखना

छोटे बच्चे को खेलते हुए देखने का मतलब है आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी और संतान प्राप्ति का योग बनेगा।

सेब खाते हुए देखना

महलिाओं का सेब खाते हुए देखने का मतलब है कि खुशखबरी आने वाली है। वह मां बन सकती हैं। गोद में और फलों की टोकरी देखने का मतलब भी संतान प्राप्ति माना गया है।

इमली खाते हुए देखना

सपने में ईमली खाते हुए देखने का मतलब है आपके घर में बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

दर्पण देखना

सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि आपको जल्दी ही संतान सुख मिलेगा।

हरा-भरा खेत देखना

सपने में हरा भरा खेत दिखना मतलब जीवन में हरयिाली यानी धन और सुख का समय आने वाला है। यह सपना संतान प्राप्ति का भी सूचक माना जाता है।

लाल फूल का दिखना

सपने में लाल फूल का दखिना अच्छा शगुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको संतान सुख मिलेगा।

नाखून का बढ़ा हुआ देखना

अपने नाखून का बढ़ा हुआ देखना अच्छा शगुन माना जाता है। यह स्वप्न बताता है कि आपको कहीं से धन लाभ मिलेगा। यह स्वप्न नि :संतान दंपत्ति को संतान सुख का संकेत देता है।

इस श्राप के कारण शिवजी ने काटा था गणेशजी का सिर

पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि एक बार शिवजी ने अपने पुत्र गणेश का सिर त्रिशूल से काट दिया था। मगर, क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने की स्थिति क्यों बनी थी। वह क्या श्राप था, जिसकी वजह से भोलेनाथ को भी पीड़ा उठानी पड़ी।

गणेशजी के जन्म की कहानी

एक बार शिवजी के गण नंदी ने देवी पार्वती की आज्ञा पालन में त्रुटि कर दी थी। इससे नाराज देवी ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसमें प्राण डाल दिए और कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। तुम मेरी ही आज्ञा का पालन करना किसी और की नहीं। देवी पार्वती ने यह भी कहा कि मैं स्नान के लिए जा रही हूं। ध्यान रखना कोई भी अंदर न आने पाए। थोड़ी देर बाद वहां भगवान शंकर आए और देवी पार्वती के भवन में जाने लगे। यह देखकर उस बालक ने विनयपूर्वक उन्हें रोकने का प्रयास किया। बालक का हठ देखकर भगवान शंकर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। देवी पार्वती ने जब यह देखा तो वे बहुत क्रोधित हो गई। उनकी क्रोध की अग्नि से सृष्टि में हाहाकार मच गया। तब सभी देवताओं ने मिलकर उनकी स्तुति की और बालक को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। तब भगवान शंकर के कहने पर विष्णुजी एक हाथी का सिर काटकर लाए और वह सिर उन्होंने उस बालक के धड़ पर रखकर उसे जीवित कर दिया। तब भगवान शंकर व अन्य देवताओं ने उस गजमुख बालक को अनेक आशीर्वाद दिए। देवताओं ने गणेश, गणपति, विनायक, विघ्नहरता, प्रथम पूज्य आदि कई नामों से उस बालक की स्तुति की।

यह था शिवजी को श्राप

एक समय में माली और सुमाली दो राक्षस थे जो शिव को समर्पित थे। सूर्य देव उन राक्षसों को उनके पापों के लिए मारने वाले थे। राक्षसों ने शिव से प्रार्थना की और शिव ने उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने सूर्य को अपने त्रिशूल से मार दिया और इससे सारी दुनिया अंधेरे में डूब गयी। त्रिशूल की चोट से सूर्य की चेतना नष्ट हो गई और वह तुरंत रथ से नीचे गिर पड़े। जब कश्यपजी ने देखा कि उनका पुत्र मरणासन्न अवस्था में हैं, तो वे उसे छाती से लगाकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे। सारे देवताओं में हाहाकार मच गया। सभी भयभीत होकर रोने लगे। तब ब्रह्मा के पौत्र तपस्वी कश्यप जी ने शिवजी को शाप दिया, वे बोले जैसा आज तुम्हारे प्रहार के कारण मेरे पुत्र का हाल हो रहा है। ठीक वैसे ही तुम्हारे पुत्र पर भी होगा। तुम स्वयं अपने ही पुत्र का मस्तक काट दोगे। इसी श्राप के कारण ऐसे संयोग बने कि महादेव को गणेश जी का सर काटना पड़ा।

विदेशों में भी मानते हैं मोर पंखों को शुभ

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं। मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।

यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिजनौर में दर्दनाक हादसा : पंप ठीक करने कुएं में उतरे तीन भाइयों की दम घुटने से मौत

बिजनौर (एजेंसी)। यूपी के बिजनौर जिले के सरकथल गांव में रविवार को हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। दरअसल 20 फीट गहरे कुएं में पंप बेल्ट लगाने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आए तीन भाइयों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 25 वर्षीय छत्रपाल, 22 वर्षीय हिमांशु (चचेरा भाई) और 20 वर्षीय कशिश के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब सबसे पहले छत्रपाल कुएं में उतरा और जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए हिमांशु और कशिश भी एक-एक कर कुएं में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए। गांव के एक व्यक्ति ने शोर सुनकर मदद के लिए दौड़ लगाई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों में से एक ने गीला कपड़ा बांधकर रस्सी की मदद से कुएं में उतरकर तीनों को ऊपर खींचा। उन्हें तुरंत नूरपुर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे से परिवार और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, परिवार ने किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पंप खराब होना गांव में आम समस्या होती है और लोग अक्सर खुद ही मरम्मत के लिए कुएं में उतर जाते हैं, लेकिन इस हादसे ने साफ कर दिया कि बिना उचित सावधानी यह कदम जानलेवा साबित हो सकता है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर की चार्जशीट

-दो कंपनियों से 58 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। ईडी का आरोप है कि वाड्रा ने दो कंपनियों के जरिए 58 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की, जिसका इस्तेमाल उन्होंने अचल संपत्तियां खरीदने, निवेश करने, कारोबारी कर्ज चुकाने और विभिन्न ग्रुप कंपनियों को फंड देने में किया। ईडी की चार्जशीट के अनुसार, वाड्रा को कथित आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी यह रकम दो रास्तों से मिली। इसमें 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (बीबीटीपीएल) के जरिए और 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए ट्रांसफर हुए। ईडी के अनुसार जांच में सामने आया कि इन दोनों कंपनियों से प्राप्त रकम को वाड्रा ने न केवल अचल संपत्ति खरीदने और निवेश में लगाया, बल्कि अपने व्यवसायिक नेटवर्क की देनदारियां चुकाने में भी इस्तेमाल किया। ईडी का कहना है कि पूरी प्रक्रिया में मनी लॉन्ड्रिंग रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत अपराध से अर्जित संपत्ति को छिपाने और वैध दिखाने की कोशिश की गई। ईडी ने कहा है, कि चार्जशीट में जुटाए गए दस्तावेजी सबूत और बैंक ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड इस कथित अवैध कमाई के स्रोत और इस्तेमाल की पुष्टि करते हैं। मामले की सुनवाई जल्द ही विशेष अदालत में शुरू होगी।

आत्मविश्वेश्वर मंदिर में लगी आग, पुजारी समेत सात लोग झुलसे

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के वाराणसी में आत्मविश्वेश्वर मंदिर में आग लग गई जिसकी चपेट में आने से मंदिर के पुजारी समेत सात लोग झुलस गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक यह घटना तब हुई जब मंदिर को एक प्राचीन धर्मस्थल की तर्ज पर सजाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक आग लग गई जिसने देखते ही देखते पूरे मंदिर को अपनी चपेट में ले लिया। जानकारी के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला है कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है। आग की खबर सुनते ही लोग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। पुलिस ने आग से झुलसे लोगों को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि वाराणसी में श्री आत्मा विश्वेश्वर महादेव मंदिर में आग लगने और कई श्रद्धालुओं के झुलसने का समाचार दुखद है। बाबा काशी विश्वनाथ से हादसे में घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

सीएम सरमा बोले- तोज सभी घुसपैठियों को राहुल गांधी के घर भेज दो

गुवाहाटी (एजेंसी)। घुसपैठियों को लेकर कांग्रेस नरम और भाजपा हमेशा ही सख्त रही है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद गौरव गोगोई ने हाल ही में घुसपैठियों को ना असमिया (नया असमिया) कहा था। इस पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पार्टी पर घुसपैठियों को नई पहचान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अगर बाहर से आए घुसपैठियों से इतना ज्यादा ही लगाव है तो उन्हें अपने घर में जगह दें या फिर राहुल गांधी के घर पर भेज दें। इतना ही नहीं हिमंत ने अतिक्रमण के खिलाफ चल रही राज्य सरकार की जंग की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी जमीनों को मुक्त कराने के लिए चलाया जा रहा बेदखली अभियान ऐसे ही जारी रहेगा। मीडिया से बात करते हुए सीएम ने कहा कि राज्य के संसाधनों को लेकर भी अपनी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि असम में मूल असमियों के लिए ही पर्याप्त संसाधन या जगह नहीं है, तो ऐसे में हम तथाकथित नए असमियों को कैसे जगह दे सकते हैं। उन्होंने कहा, न तो जमीन है, न जगह, न घर। हम असमियों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं दे सकते। ऐसे में हम इन तथाकथित नए असमियों को ये सुविधाएं कैसे दे सकते हैं? गोगोई को अगर इनकी इतनी ही चिंता है, तो इन लोगों को राहुल गांधी के घर भेज देना चाहिए।मुख्यमंत्री ने राज्य में घुसपैठियों को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे अतिक्रमण बेदखली अभियान की भी सराहना की। उन्होंने कहा, बेदखली अभियान जारी रहेगा। अगले साल विधानसभा चुनाव के बाद, भाजपा सत्ता में वापस आएगी और तब भी बेदखली जारी रहेगी।

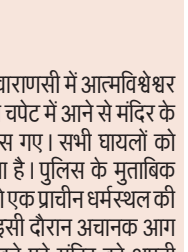

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महिलाओं ने गाया बधाई गीत, योगी सरकार के ट्रस्ट पर रोक

वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर का मामला

मथुरा, (एजेंसी)। क्या आप सोच सकते हैं कि किसी मामले में सुप्रीम कोर्ट फैसला दे और उसके सम्मान में मंदिर में महिलाएं बधाई गीत गाएं। जी हॉ वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर मामले में ऐसा ही कुछ हुआ है। दरअसल कॉरिडोर प्रोजेक्ट और यूपी की योगी सरकार के मंदिर प्रबंधन के लिए बनाए गए ट्रस्ट का विरोध गोस्वामी परिवार और उनकी महिलाएं पिछले ढाई माह से लगातार कर रहीं थीं और अब कोर्ट ने इस पर रोक लगाकर एक तरह से उन्हें राहत प्रदान कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले तक जो महिलाएं विरोध स्वरुप प्रदर्शन कर रहीं थीं वही अब बधाई गीत गाती नजर आई हैं। मानों बांके बिहारी मंदिर का माहौल ही अचानक बदल गया है। कोर्ट का फैसला जान गोस्वामी परिवार और उनकी महिलाएं खुश हो गईं और ठाकुरजी को निहारते हुए बधाई गीत गाने लगीं, इससे मंदिर प्रांगण का भक्तिमय माहौल भावुक पलों में तब्दील हो गया। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और भक्तों में इसकी वजह जानने की कोशिश की। इस पर वहां मौजूद महिलाएं भावुक हो कहती दिखीं, जिन्होंने हमारे ठाकुरजी को परेशान करने की कोशिश की थी, उनकी हार हुई। ठाकुरजी ने तो हमें अपने पास ही रखा...। वे सभी जयकारा लगाते हुए बोलीं...जय हो बिहारीजी की। इसी के साथ भावना से ओत-प्रात महिलाएं गाती हैं, मेरे ठाकुर जी की फूल गई फुलवाड़ीज। जिसमें अन्य भक्तजन भी शामिल होते चले जाते हैं।

यहां बताते चलें कि कॉरिडोर प्रोजेक्ट और यूपी सरकार के मंदिर प्रबंधन के लिए बनाए जाने वाले ट्रस्ट का विरोध काफी लंबे समय से किया जा रहा था। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं थीं। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 8 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 के तहत समिति के संचालन को रद्द किया जा रहा है। कोर्ट ने बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थाई रोक लगाते हुए अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया। इसे बांके बिहारी मंदिर से जुड़े हुए लोग और भक्त बड़ी जीत बता रहे हैं और बधाई गीत गा रहे हैं।

वकील अपनी पहचान न्याय के सूत्रधार के रुप में स्थापित करें : पूर्व सीजेआई

छत्रपति संभाजीनगर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने वकालत कर रहे छात्रों और वकीलों को नौतिकता पर खरे उतरने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि सभी वकीलों को अपनी पहचान न्याय के सूत्रधार के रूप में स्थापित करनी चाहिए। पूर्व सीजेआई के मुताबिक सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। खासकर कानून की पढ़ाई करने वाले अभ्यार्थी जिंदगी भर कुछ न कुछ नया सीखते हैं। वो एक स्वतंत्र विचारक होते हैं। लॉ कॉलेज में छात्रों को संबोधित करते हुए पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि वकीलों के लिए न्याय सबसे पहले होना चाहिए। अगर चाहिए तो दूसरों का मार्गदर्शन जरूर लो, आपकी सोच स्वतंत्र होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर नई पीढ़ी कुछ नया सीखती है और अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार रहती है, तो इस क्षेत्र में आपके सामने ढेरों मौके खुले हैं। आज महिलाएं भी सुपरस्पेशलिटी और तकनीकी शाखाओं में शामिल हो रही हैं। यह बदलाव कानून के क्षेत्र में भी आना चाहिए। कानून में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए। चंद्रचूड़ ने कहा कि कई छात्र छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों से आते हैं। वह न सिर्फ लॉ कॉलेज में अहम योगदान देते हैं बल्कि सफलता की नई कहानी भी बुनते हैं। बेहतर प्रैक्टिस के लिए कानून की पढ़ाई करने वाले बच्चों को लाइब्रेरी डेटाबेस मुहैया करवाना चाहिए। सीनियर्स को चाहिए कि नए वकीलों को उनके शुरुआती दिनों में सपोर्ट करें और आर्थिक रूप से उनकी मदद करें।

तेजस्वी के आरोप हुए सच साबित: डिप्टी सीएम खुद बोले- हॉ हैं दो जगह नाम, पर हटाने का आवेदन दे चुका

पटना(एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची में डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा का नाम दो जगह दर्ज होने को लेकर रविवार को सियासत गरमा गई। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि सिन्हा के पास दो ईपिक नंबर हैं और उनका नाम पटना के बांकीपुर व लखीसराय, दोनों विधानसभा क्षेत्रों की वोटर लिस्ट में मौजूद है, साथ ही उम्र में भी अंतर है। इसे स्वीकार करते हुए डिप्टी सीएम बोले, हॉ मेरे दो जगह से नाम हैं और एक जगह से हटाने का आवेदन भी दे चुका हूं।

दरअसल इन आरोपों के चलते बिहार से लेकर दिल्ली तक की राजनीति गरमा गई है। ऐसे में आरोप लगने के कुछ ही देर बाद डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अपनी सफाई भी पेश कर दी। मीडिया के समक्ष उन्होंने स्वीकार करते हुए कहा, कि मेरा नाम दो जगह दर्ज है, लेकिन पटना से नाम हटाने का आवेदन पहले ही दे चुका हूं। अभी अंतिम मतदाता सूची जारी नहीं हुई है, प्रक्रिया जारी है। डिप्टी सीएम सिन्हा का कहना है, कि उन्होंने 30 अप्रैल 2024 को लखीसराय में नाम जोड़ने और पटना से हटाने का फॉर्म भरा था, लेकिन तकनीकी कारण से नाम नहीं हट पाया। प्रारूप प्रकाशन के बाद जब परिवार ने दोबारा नाम दर्ज होने की जानकारी दी, तो उन्होंने 5 अगस्त को बीएलओ को फॉर्म-7 भरकर दिया और उसकी रिसीविंग भी ली। डिप्टी सीएम ने कहा, कि बीजेपी लोकतंत्र की प्रहरी है, संवैधानिक संस्थाओं का अपमान नहीं करती। दो जगह से वोट देने की परंपरा हमारी नहीं, बल्कि इनकी है। उन्होंने तेजस्वी यादव को जंगलराज के युवराज कहते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष जनता में भ्रम फैला रहा है। डिप्टी सीएम सिन्हा के साथ मौजूद एक वकील ने स्थिति को संभालते हुए स्पष्ट किया कि नाम दो जगह आने का कारण बीएलओ प्रक्रिया की तकनीकी खामी है और अब सुधार के लिए चुनाव आयोग द्वारा एक महीने का समय दिया गया है।

पैसा कमाने परदेस गया था बेटा बॉक्स में लौटा, बूढ़ी मां के रुक नहीं रहे आंसू

नाइजर में 4 महीने में 8 भारतीय मजदूरों पर हुए हमले, 6 अगवा, दो की हत्या

गोरखपुर (एजेंसी)। बेटे परदेस गया था पैसा कमाने, लेकिन बॉक्स में लौटा। मौत के 12 दिन बाद उसकी लाश देखी। उसके सीने पर गोली मारी। दो गोली कमर पर और एक सिर में लगी थी। बोलकर गया था कि दीवाली से पहले लौट आऊंगा, लेकिन वह हमें छोड़कर चला गया। यह कहना है 63 साल की ज्ञानती देवी का। वह बेटे कृष्ण की फोटो देखकर भावुक हो जाती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कृष्ण कुमार गुप्ता पश्चिमी अफ्रीका के देश नाइजर में काम करने गया था। 15 जुलाई को उसकी साइट पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। कृष्ण को गोली मार दी। वे यूपी के कुशीनगर का रहने वाला था। आर्तांकियों ने कृष्ण के साथ काम करने वाले झारखंड के गणेश करमाली को भी गोली मार दी। जम्मू-कश्मीर के रंजीत को अगवा करके ले गए। उसका अभी तक पता नहीं चला है।

बता दें नाइजर में बीते चार महीने में आठ भारतीय मजदूरों पर जानलेवा हमले हुए। इनमें छह को अगवा कर लिया गया, जबकि दो की हत्या कर दी गई। जो मजदूर बच गए, उन्हें सेना के शिविर में निगरानी में रखा गया है। ये लोग अब भारत लौटना चाहते हैं। इन हमलों के पीछे आतंकी संगठन बोको हराम का हाथ बताया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 15 जुलाई को डोसो में ट्रांसमिशन लाइन पर बिजली के खंभे लगाने का काम चल रहा था। इनमें जेसीबी ऑपरेटर कृष्ण गुप्ता, चीफ सेफ्टी अफसर रंजीत सिंह थे। रोज की तरह काम शुरू हुआ, लेकिन सुबह करीब 11 बजे बाइक से कुछ लोग आए। वह हथियारों से लैस थे। आते ही उन्होंने सिक्योरिटी में तैनात सेना के जवानों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमले के बारे में कृष्ण गुप्ता के परिवार को सबसे पहले दिनेश कुमार ने बताया था। दिनेश बिहार के गोपालगंज के रहने वाला है। घटना वाले दिन वे भी ट्रांसमिशन लाइन पर काम कर रहा था। वे दूसरी कंस्ट्रक्शन साइट पर था, इसलिए बच गया। दिनेश इस वक्त सेना के शिविर में हैं।

बता दें नाइजर में भारतीय मजदूरों पर हुआ ये पहला हमला नहीं था। इससे पहले भी 25 अप्रैल, 2025 को तिलाबेरी इलाके में बिजली का टावर लगाते समय हथियारबंद बाइक सवारों ने कल्पतरु कंपनी के मजदूरों पर हमला किया था। तब मजदूर लंच करके साइट पर लौट रहे थे। इसी दौरान हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में सेना के छह जवान घायल हुए थे। पांच भारतीय मजदूरों को हमलावर अपने साथ ले गए थे। पांचों मजदूर झारखंड के गिरिडीह जिले के दोंदलो गांव के रहने वाले हैं। नाइजर सरकार इनकी खोजबीन के लिए तिलाबेरी से लेकर डोसो तक सर्च ऑपरेशन चला रही है। ये सभी जनवरी 2025 को नाइजर गए थे। वे इस साल जुलाई में घर लौटने वाले थे। 25 अप्रैल की इस घटना के बाद 15 जुलाई को डोसो में काम कर रहे मजदूरों की हत्या कर दी गई। एक को अगवा कर लिया गया। इन घटनाओं के बाद अब चार महीने में नाइजर में आठ भारतीय मजदूरों पर हुए जानलेवा हमलों में छह किडनैपिंग और दो की हत्या के मामले सामने आए हैं।

धराली रेस्क्यू ऑपरेशन में 1000 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया : सीएम पुष्कर धामी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि खराब मौसम के बावजूद अब तक 1000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इनमें स्थानीय नागरिकों के साथ देशभर से आए तीर्थयात्री भी शामिल हैं। घायलों को जिला अस्पताल और एम्स में भर्ती कराया गया है, जहां उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हर्षिल और धराली क्षेत्रों में आवश्यक राहत सामग्री जैसे दवाएं, राशन, दूध और कपड़े पर्याप्त मात्रा में पहुंचाए गए हैं। बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए उरेडा का पावर हाउस शुरू किया गया है और यूपीसीएल द्वारा तारों की मरम्मत की जा रही है। मोबाइल नेटवर्क की बहाली और दो 125 केवी जनरेटर की व्यवस्था भी की गई है। सड़क मार्ग को दुरुस्त करने का कार्य तेजी से जारी है। गंगनानी में बेली ब्रिज का निर्माण हो रहा है और मंगलवार तक हर्षिल तक सड़क मार्ग पूरी तरह खोलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें 5 लाख की तत्काल सहायता राशि दी जाएगी और अगले छह महीने का राशन भी उपलब्ध कराया जाएगा। राजस्व सचिव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई है जो पुनर्वास और क्षति का आकलन करेगी। सेब के बगीचों को हुए नुकसान की भी समीक्षा होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पौड़ी के अन्य प्रभावित गांवों में भी सहायता दी जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार हर संभव सहयोग दे रही है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 21 जुलाई से लापता, उन्हें ढूंढने के लिए याचिका दायर करेंगे: संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 21 जुलाई से लापता हैं। स्वस्थ होने के बावजूद, यह बेहद चौंकाने वाला था कि उन्हें बताया गया कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दिया है। लेकिन, इस्तीफे के बाद से वह कहाँ हैं, उनकी स्वास्थ्य स्थिति क्या है, क्या वह सचमुच मौजूद हैं? क्या उन्हें कहीं गायब कर दिया गया है? ये संदेह हमारे मन में आ रहे हैं। रूस और चीन में जिन नेताओं को हम नहीं चाहते, उन्हें गायब करने का यही तरीका है। क्या इन लोगों ने ऐसी परंपरा शुरू की है? यह कहना है शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत का। संजय राउत ने रविवार को मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे जब दिल्ली गए थे, तब कपिल सिब्बल और मैंने धनखड़ के बारे में चर्चा की थी। इस संबंध में, हमने निर्णय लिया है कि सर्वोच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की जाए। जब कोई व्यक्ति नहीं मिल पाता है, तो ऐसी याचिका दायर की जा सकती है और न्यायालय के आदेश से संबंधित व्यक्ति का पता लगाया जा सकता है। संजय राउत ने आगे कहा, चुनाव से पहले कुछ लोगों ने शरद पवार से मुलाकात की थी और एक निश्चित राशि देकर 160 सीटें जीतने का दावा किया था। मैं आपको यह भी बता दूँ कि ऐसे कुछ लोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान उद्धव ठाकरे से भी मिले थे। तब उद्धव ठाकरे ने उनसे साफ़ कहा था कि हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। लोकसभा में महाराष्ट्र में हमें सफलता मिली थी। बाद में, विधानसभा चुनावों के दौरान, ये लोग फिर मिले और कहा, जो 60-65 सीटें आपको मुश्किल लग रही हैं, बताइए, हम उन्हें ईवीएम से जीतेंगे। हमने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि हमें ऐसे तरीके की ज़रूरत नहीं थी। हालाँकि, उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल ने ईवीएम और मतदाता सूची के ज़रिए तैयारी की है, इसलिए आपकी विफलता दिखाई दे रही है। हम आपको जिता सकते हैं, ऐसा उन्होंने यह भी कहा। हमें चुनाव आयोग और लोकतंत्र पर विश्वास था। लेकिन अब मुझे लगता है कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे से मिलने वाले लोगों के दावों में सच्चाई होनी चाहिए।

राहुल गांधी की वोट बचाओ अधिकार यात्रा कांग्रेस की समाप्ति की यात्रा है

केंद्रीय मंत्री ने कहा- वे चाहते हैं हम घुसपैठियों को वोट देने का अधिकार दें

बेगूसराय (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव वोट बचाओ अधिकार यात्रा निकालने वाले हैं। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को इस यात्रा को कांग्रेस की समाप्ति की यात्रा बताया। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई पर सवाल उठाने को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी सेना नहीं, बल्कि पाकिस्तान पर ज्यादा भरोसा है।

सदन में पीएम मोदी के जवाब नहीं देने पर कांग्रेस द्वारा कायर बताए जाने को लेकर गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को देश की सेना पर भरोसा नहीं है। सेना के जनरल और सभी बड़े लोग बता चुके हैं, लेकिन उन्हें सेना और पीएम पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस को डूबकर मर जाना चाहिए। अगर उनकी यही आदत रही तो वे देश के अंदर ही देशविरोधी कहलाएंगे।

राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर सवाल उठाने पर गिरीराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को संविधान का ज्ञान नहीं है। वे पागल की तरह बात करते हैं। वे क्या कहना चाहते हैं कि हमें बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोट का अधिकार देना चाहिए, जो अवैध हैं, उन्हें वोट का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर उनमें ताकत है तो चुनाव आयोग को वह सूची क्यों नहीं दे रहे, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि जो जिंदा थे, उन्हें मृत दिखाया गया और जो सही वोटर्स थे, उन्हें सूची से निकाल दिया गया? वे सोचते हैं कि झूठ बोलते रहेंगे, तो वह सच हो जाएगा?, लेकिन झूठ हमेशा झूठ ही रहेगा। मतदाता सूची से सही लोगों को नहीं, बल्कि जिनका दो बार नाम था, सिर्फ उन्हीं का नाम हटाया गया है। मेरा नाम दो जगह था और एक जगह काटा गया? है।

अमेरिका में नई वीजा पॉलिसी और टैरिफ नियम छात्रों के लिए बन रहे चुनौती

-ट्रंप करते रहे मनमानी तो एशिया उच्च शिक्षा का नया वैश्विक केंद्र बन जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई वीजा पॉलिसी और टैरिफ नियमों ने भारतीय छात्रों के लिए चुनौती बन गए हैं। पहले अमेरिका उच्च शिक्षा का केंद्र माना जाता था, अब वहां पढ़ाई महंगी, जटिल और जोखिम भरी हो गई है। 4 जुलाई 2025 को ट्रंप ने वन बिग ब्यूटीफुल बिल के तहत अमेरिका में छात्र वीजा के लिए एफ, एम और जे श्रेणी के आवेदकों को 250 डॉलर यानी करीब 21,463 रुपए की वीजा इंटीग्रिटी फीस और 24 डॉलर यानी करीब 2,060 रुपए की आई-94 फॉर्म फीस देने का आदेश दिया है। इसके अलावा छात्रों से उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स की सार्वजनिक जानकारी मांगी जा रही है और उनकी गहन जांच की जा रही है। किसी भी प्रदर्शन या नियम उल्लंघन की स्थिति में वीजा रद्द होने का खतरा है।

नई पॉलिसी के मुताबिक छात्र वीजा की वैधता अब केवल 2 से 4 सालों तक सीमित की गई है। पहले छात्र अपनी पढ़ाई पूरी होने तक रुक सकते थे, लेकिन अब समयसीमा खत्म होने पर उन्हें एक्सटेंशन के लिए दोबारा प्रक्रिया से गुजरना होगा। वीजा इंटरव्यू की प्रतीक्षा भी अब लंबी हो गई है। चीन से आई रिपोर्ट्स बताती है कि वीजा इंटरव्यू की देरी से कई छात्र हतोत्साहित हैं और हांगकांग की यूनिवर्सिटीज में अमेरिकी ट्रांसफर रिक्वेस्ट की भरमार है।

ट्रंप प्रशासन का मकसद विदेशी छात्रों की संख्या कम करना है। कुछ छात्रों को राजनीतिक गतिविधियों के आरोप में वीजा रद्द कर देश छोड़ने को मजबूर किया गया है। कई मामलों में वीजा अपॉइंटमेंट्स अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह सख्ती अमेरिका के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। नेशनल एसोसिएशन फॉर फॉरेन स्टूडेंट्स अफेयर्स (एनएएफएसए) के मुताबिक इस फॉल सेमेस्टर में अमेरिका में विदेशी छात्रों की संख्या 30-40 फीसदी तक गिर सकती है, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को अनुमानित 7 बिलियन डॉलर यानी करीब 61,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। विदेशी छात्रों पर निर्भर कॉलेज संकट में हैं।

इस बदलाव का फायदा ब्रिटेन, हांगकांग, सिंगापुर, मलेशिया, यूएई और कजाकिस्तान जैसे देशों को मिल रहा है। ब्रिटेन अब भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका के बाद दूसरा पसंदीदा देश बन रहा है। यहां चीनी और अमेरिकी छात्रों की संख्या बढ़ रही है। खासकर बिजनेस और मैनेजमेंट कोर्सेज की मांग बढ़ी है। एशिया के देशों में वेस्टर्न यूनिवर्सिटीज के सैटेलाइट कैंपस स्थापित हैं, जहां फीस अपेक्षाकृत कम है। हांगकांग में विशेष ऑफर दिए जा रहे हैं कि यदि अमेरिका में वीजा नहीं मिलता, तो छात्र वहीं शिफ्ट हो सकते हैं।

दुबई में पिछले साल विदेशी छात्रों की संख्या 33फीसदी बढ़ी है। वहीं

कजाकिस्तान में भी अमेरिकी यूनिवर्सिटीज के कार्यक्रम शुरू हो चुके हैं, जो खासकर चीनी और रूसी छात्रों को आकर्षित कर रहे हैं। अगर ट्रंप की नीतियां जारी रहीं, तो आने वाले सालों में एशिया उच्च शिक्षा का नया वैश्विक केंद्र बन जाएगा। भारतीय छात्रों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण समय जरूर है, लेकिन साथ ही नए अवसरों के द्वार भी खोल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यूसीएलए से एक बिलियन डॉलर की डील चाहते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) से 1 अरब डॉलर (लगभग 8,300 करोड़ रुपए) का सेटलमेंट मांगा है। प्रशासन ने इस हफ्ते यूसीएलए के 584 मिलियन डॉलर के फेडरल ग्रांट रोक दिए हैं। न्याय विभाग (डीओजे) ने हाल में यूसीएलए पर यहूदी विरोध के आरोप लगाए थे। यूसीएलए पहला पब्लिक विश्वविद्यालय है जिसके फंड पर इस तरह की कार्रवाई हुई है। इससे पहले निजी कॉलेजों के फंड भी रोक दिए गए थे। यूसीएलए के नए अध्यक्ष जेम्स बी. मिलिकेन ने कहा कि डीओजे से नोटिस मिला है और वे मामले की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इतनी बड़ी रकम का भुगतान करने से विश्वविद्यालय की रिसर्च और छात्रों पर गंभीर असर पड़ेगा। हाल ही में यूसीएलए ने तीन यहूदी छात्रों और एक प्रोफेसर के साथ 6 मिलियन डॉलर का समझौता किया था। इनका आरोप था कि 2024 में प्रोपैलिस्तीनी प्रदर्शनकारियों ने उन्हें क्लास और कैंपस के अन्य हिस्सों में जाने से रोका था। विश्वविद्यालय का कहना है कि वह कैंपस में सुरक्षा और सभी के लिए समान माहौल बनाए रखने के लिए कदम उठाता रहेगा।

ईरान ने कैदियों को एविन जेल में वापस भेजा

तेहरान, एजेंसी। तेहरान में अधिकारियों ने कुछ कैदियों को फिर से एविन जेल में भेजा, जिसे जून में इस्राइल ने हवाई हमले में निशाना बनाया था। सरकारी मीडिया के अनुसार, यह पहला दल है और आगे और कैदियों को लाया जाएगा। नई सुविधाएं बनाई गई हैं, लेकिन कुछ कैदी हथकड़ी पहनने से मना कर रहे थे। एक कार्यकर्ता की पत्नी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें मजबूर करने के लिए पीटा। इस्राइली हमले में 71 लोग मारे गए थे, जबकि कुछ रिपोर्टों में संख्या 80 बताई गई। कारण स्पष्ट नहीं है कि जेल को क्यों निशाना बनाया गया।

कनाडा, फ्रांस और ईरान ने इस्राइल की गाजा योजना का विरोध किया

तेहरान, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि गाजा पर इस्राइल का कब्ज़ा बंधकों की जान को खतरे में डाल देगा और मानवीय स्थिति खराब करेगा। फ्रांस ने भी इस योजना को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए कड़ी निंदा की और दो-राष्ट्र समाधान पर जोर दिया। ईरान ने इस योजना को नरसंहार की तैयारी कहा और इस्लामी देशों से संयुक्त कदम उठाने की अपील की। वहीं, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद शनिवार को इस मुद्दे पर आपात बैठक करेगी।

अमेरिका-एमोरी यूनिवर्सिटी और सीडीसी कैंपस के पास गोलीबारी, संदिग्ध व पुलिसकर्मी की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अटलांटा के एमोरी विवि स्थित अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के मुख्यालय के बाहर एक युवक ने गोलीबारी की। इसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। बाद में हमलावर भी मृत पाया गया। अटलांटा पुलिस प्रमुख डारिन शियरबाम ने बताया कि बंदूकधारी सीडीसी परिसर के सामने वाली एक इमारत की दूसरी मंजिल पर पाया गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता कि गोली पुलिसवालों ने चलाई थी या उसने खुद चलाई थी। हमलावर के पास एक लंबी बंदूक थी। अधिकारियों ने घटनास्थल से तीन अन्य हथियार बरामद किए।

आईआरएस अधिकारी बिली लॉन्ग पर ट्रंप एक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व सांसद बिली लॉन्ग को आईआरएस (इनकम टैक्स विभाग) के कमिश्नर पद से हटा दिया है। उन्हें पद संभाले हुए अभी दो महीने भी पूरे नहीं हुए थे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि इस पद से हटाने का कारण नहीं बताया गया है। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट अब अस्थायी कमिश्नर के रूप में काम करेंगे। बिली लॉन्ग को सीनेट ने 53-44 वोट से मंजूरी दी थी, जबकि डेमोक्रेट सांसदों ने उनके पुराने काम को लेकर चिंता जताई थी। लॉन्ग पहले एक नीलामीकर्ता थे और टैक्स प्रशासन का कोई अनुभव नहीं रखते थे।

ह्वइट-डोभाल ने रूसी उप-प्रधानमंत्री से की मुलाकात, पुतिन ने स्वीकारा निमंत्रण, साल के अंत में आएंगे भारत

बीजिंग, एजेंसी।
राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की। डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तैयारी के लिए रूस में हैं। भारत स्थित रूसी दूतावास के अनुसार, डोभाल और मंतुरोव की मुलाकात शुक्रवार को हुई। दूतावास ने एक पोस्ट में कहा, ''इस बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई। डोभाल ने बृहस्पतिवार को क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान, उन्होंने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। डोभाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी करके रूस से तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इसके बाद कुल शुल्क 50 फीसदी हो गया है। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने आभार के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

एक न्यूक्लियर अटैक और नागासाकी की इस मां का दूध बन गया बच्चे के लिए जहर

बीजिंग, एजेंसी।

80 साल पहले अमेरिका ने हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमला किया था। इसमें एक झटके में हजारों लोगों की मौत हुई और न जाने कितने लोगों की जिंदगी तबाह हो गई और जो लोग बच गए उनकी जिंदगी भी हमेशा के लिए बदल गई। ब्लास्ट और रेडिएशन से बची महिलाओं को नई वास्तविकताओं का सामना करना पड़ रहा है। नागासाकी ही महिलाओं की कहानियां बताती हैं कि कैसे रेडिएशन ने महिलाओं की जिम्मेदारी, पारिवारिक अपेक्षाओं और हिबाकुशा माताओं में जनता के विश्वास के मायने ही बदल दिए। ऐसी ही एक कहानी नागासाकी की एक मां की है, जिसके बेटे को बाद में ल्यूकेमिया हो गया और इसकी वजह डॉक्टरों ने स्तनपान के दौरान फैलने वाली विकिरण बीमारी बताया। नाकामुरा... ये उस मां का नाम है जो ये मानती है कि उसके बच्चे की मौत उसकी वजह से हुई। दरअसल, अमेरिका के परमाणु हमले में बचने के तीन साल बाद वो एक बच्चे को जन्म देती हैं। बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है और एक दिन उसकी पीठ पर कुछ गांठें दिखाई पड़ती हैं। पहले तो वो ये सोचती हैं कि ये सिर्फ दाने हैं और बेटे से कहती हैं कि वो अस्पताल में जाकर डॉक्टर की सलाह ले। 2003 में 55 साल की उम्र में उनका बेटा अस्पताल जाता है। धीरे-धीरे वक्त बीतता जाता है लेकिन उसकी कोई खैर खबर नहीं मिलती है। आखिरकार हारकर वो बेटे का हाल जानने के लिए खुद अस्पताल पहुंचती हैं। उनका बेटा उनसे कहता है कि डॉक्टर कुछ टेस्ट करेंगे। जब टेस्ट के रिजल्ट आते हैं तो पता चलता है कि उनके बेटे को स्टेज 4 ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर की एडवांस स्टेज) है। ये उनके शरीर के दूसरे हिस्सों में भी फैल चुका था। नाकामुरा बताती हैं कि डॉक्टरों ने कहा कि इस कैंसर की जिम्मेदार और कोई नहीं बल्कि वो खुद हैं। उन्होंने ने ही अपने बेटे को कैंसर दिया है, जो स्तनपान के जरिए उनके बेटे के अंदर पहुंचा है। एक समय के बाद उनके बेटे की मौत हो जाती है तो नाकामुरा को विश्वास हो गया कि उन्होंने ही अपने बेटे को मार डाला। ये ख्याल उन्हें आज भी चैन से जीने नहीं देता है और डॉक्टर कही बात उन्हें बार-बार परेशान करती है। परमाणु विकिरण के संपर्क में आने वाली महिलाओं को आमतौर पर परमाणु विस्फोट के तुरंत बाद स्तनपान बंद करने की सलाह दी जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि रेडिएशन के संपर्क में आने के सालों बाद भी मां बच्चों को कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ दे सकती है। बांझपन या बच्चे की विकलांगता का विकिरण जोखिम से कोई लेना-देना नहीं होता, तब भी हिबाकुशा महिलाओं को अक्सर दोषी ठहराया जाता था।

संयुक्त राष्ट्र ने गाजा पर नियंत्रण के इस्राइल के फैसले को बताया खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को कहा कि गाजा शहर पर नियंत्रण करने के इस्राइल के फैसले से लाखों फलस्तीनियों के लिए पहले से ही विनाशकारी परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं, और इससे शेष बंधकों समेत और भी लोगों की जान को खतरा हो सकता है। गुटेरेस ने यह भी चेतावनी दी कि इस्राइली आक्रमण के परिणामस्वरूप और अधिक जबरन विस्थापन, हत्याएं और बड़े पैमाने पर विनाश होगा, जिससे गाजा में फलस्तीनी आबादी की अकल्पनीय पीड़ा और बढ़ जाएगी। मामले में सहयोगी प्रवक्ता स्टेफनी ट्रेम्बले ने कहा कि महासचिव ने युद्धविराम की अपनी तत्काल अपील दोहराई। ट्रेम्बले ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के संवाददाताओं को बताया कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस्राइल से गाजा, पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम समेत फलस्तीनी क्षेत्र में अपनी अवैध उपस्थिति को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की जुलाई 2024 की सलाहकार राय का पालन करने का आग्रह किया।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद करेगा भारत, टैरिफ तनाव के बीच अमेरिका सांसद ने जताई उम्मीद

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ के बाद दोनों देशों के संबंधों में खटास नजर आ रही है। इसी बीच अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को रूस और यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने के लिए भारत से अपने प्रभाव को इस्तेमाल करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि अगर भारत के जरिए यह युद्ध समाप्त होता है तो यह भारत और अमेरिका के संबंधों को बेहतर बनाने में सबसे महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए ग्राहम ने लिखा, जैसा कि मैं भारत में मौजूद अपने दोस्तों से कहता रहा हूं, भारत और अमेरिका के संबंधों को बेहतर बनाने के लिए वह एक सबसे महत्वपूर्ण काम कर सकते हैं। वह काम है राष्ट्रपति ट्रंप की यूक्रेन में हो रहे खूनखराबे को रोकने की कोशिश में मदद करना।

ग्राहम ने रूस से भारत की तेल खरीद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, भारत पुतिन के सस्ते तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीददार है। इस तेल खरीद के जरिए मिले पैसे से ही पुतिन की युद्ध मशीन को मदद मिलती है। राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी के बीच हुए हालिया फोन कॉल का जिक्र करते हुए ग्राहम ने कहा, मुझे उम्मीद है कि पीएम मोदी ने पुतिन के साथ अपने हालिया फोन कॉल में यूक्रेन के इस युद्ध का न्यायसंगत, सम्मानजनक और हमेशा के लिए विवाद खत्म करने वाले प्रस्ताव को स्वीकार करने की आवश्यकता पर जोर दिया होगा। मेरा हमेशा से यही मानना रहा है कि इस मामले में भारत का प्रभाव है और मुझे उम्मीद है कि वह बुद्धिमानी के साथ इसका इस्तेमाल करेंगे।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर पुतिन से मुलाकात-चर्चा करेंगे ट्रंप, 15 अगस्त को अलास्का में होगी बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से 15 अगस्त को अलास्का में मुलाकात करेंगे। जानकारी के मुताबिक दोनों नेता यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करेंगे। ट्रंप ने मेरे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बहुप्रतीक्षित बैठक अगले शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025 को ग्रेट स्टेट ऑफ अलास्का में होगी। आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी।

अगर यह बैठक होती है तो 2021 के बाद अमेरिका और रूस के बीच यह पहला शिखर सम्मेलन होगा। तब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने जिनेवा में पुतिन से मुलाकात की थी। यह ट्रंप की युद्ध खत्म करने की कोशिश में एक अहम कदम होगा, हालांकि रूस और यूक्रेन की शांति शर्तें अभी भी एक-दूसरे से बहुत अलग हैं, इसलिए लड़ाई रुकने की गारंटी नहीं है। ट्रंप की इस घोषणा के बीच, मोर्चे पर लड़ रहे यूक्रेनी सैनिकों को कूटनीतिक हल की ज्यादा उम्मीद नहीं है। ट्रंप ने लगभग दो हफ्ते पहले पुतिन को बमबारी रोकने का अल्टीमेटम दिया था और धमकी दी थी कि अगर

रूस पीछे नहीं हटता तो अतिरिक्त प्रतिबंध और रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाए जाएंगे। रूस की सेना धीरे-धीरे यूक्रेन में आगे बढ़ रही है और शहरों पर लगातार हमले कर रही है। डोनेटस्क के पोक्रोव्स्क इलाके में लड़ाई सबसे ज्यादा तेज है, जहां रूस ड्निप्रोपेट्रोव्स्क की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन के पास जनशक्ति की कमी है, फिर भी सैनिक डटे हुए हैं। डोनेटस्क में ड्रोन यूनिट के एक कमांडर बूदा ने कहा, रूस से बातचीत असंभव है, उन्हें हराना ही एकमात्र रास्ता है। दक्षिणी जापोरिज्जिया में हॉवित्जर यूनिट के कमांडर वारसा ने कहा, हम अपनी जमीन पर खड़े हैं, हमारे पास पीछे हटने का विकल्प नहीं है। क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से फोन पर बात की और ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ से हुई मुलाकात की जानकारी दी। शी ने यूक्रेन संकट के दीर्घकालिक समाधान के लिए समर्थन जताया।

ट्रंप के टैरिफ वार के बीच रूस में डोभाल की मैराथन बैठक, टॉप-3 नेताओं से मिले

रूस , एजेंसी।
राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शुक्रवार को मास्को में रूस के उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव से मुलाकात की। यह दो दिनों में उनकी तीसरी उच्चस्तरीय बैठक थी। गुरुवार को डोभाल ने रूसी सुरक्षा परिषद सचिव सर्गेई शोइगू से बातचीत की और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी भेंट की थी। रूसी सरकार के बयान के मुताबिक, डोभाल और मांतुरोव ने सैन्य-तकनीकी सहयोग के साथ-साथ नागरिक विमानन और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की। मांतुरोव ने नवंबर 2024 में मुंबई में हुई पिछली भारत-रूस की बैठक में सह-अध्यक्षता की थी।

डोभाल की यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव

तेज हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की रूस से तेल खरीद जारी रखने के कारण भारतीय आयात पर अतिरिक्त 25त्न शुल्क लगा दिया है, जो पहले से लागू 25प्रतिशत टैरिफ के साथ मिलकर कुल 50प्रतिशत हो गया है।

पुतिन की भारत यात्रा पर भी चर्चा

डोभाल और रूसी नेताओं के बीच बातचीत में इस साल के अंत में होने वाले वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए पुतिन की नई दिल्ली यात्रा भी एजेंडे में रही। गुरुवार को डोभाल ने कहा था कि ये वार्षिक बैठकें हमेशा मील का पत्थर साबित हुई हैं और रिश्तों को नई दिशा देती रही हैं। शुक्रवार को पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने यूक्रेन संघर्ष के समाधान के प्रयासों की जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, हमने द्विपक्षीय एजेंडे की प्रगति की समीक्षा की और भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। पुतिन के इस साल के अंत में नई दिल्ली आने की उम्मीद है, जहां वे वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे।

8 घायल, 1500 लोगों को रेस्क्यू किया

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में लांढी के एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 8 लोग घायल हो गए और इमारत पूरी तरह ढह गई। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, आग सुबह लगी और करीब चार घंटे से अधिक समय तक बेकाबू रही। आग बुझाने के लिए 12 फायर टेंडर तैनात किए गए, लेकिन आग तेजी से फैल गई।

पास की चार अन्य फैक्ट्रियों तक भी आग पहुंच गई। फैक्ट्री में पुराने कपड़ों की रीसाइकलिंग होती थी और वहां केमिकल भी रखे थे, जिससे आग और तेज हो गई। रेस्क्यू अधिकारी आबिद जिलाल ने बताया कि आग लगने के समय फैक्ट्री में 1,200 से 1,500 लोग मौजूद थे। सभी मजदूरों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया और आसपास की इमारतों को भी खाली कराया गया। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने घटना का संज्ञान लिया और बचाव कार्यों में लगे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मुहम्मद हुमायूं ने बताया कि आग पहली मंजिल से शुरू हुई और तेजी से फैल गई। आग का कारण अभी पता नहीं चल सका है। मलबा हटाने में तीन से चार दिन लग सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र की फैक्ट्रियों को सुरक्षा सर्वे फॉर्म भेजे गए थे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जियो न्यूज के अनुसार, जून में लांढी में एक दूसरी फैक्ट्री में आग लगने से पांच कर्मी घायल हुए थे।

हबल अंतरिक्ष दूरबीन ने दूसरे सौरमंडल से आए धूमकेतु की सबसे साफ तस्वीर ली

वाशिंगटन, डीसी, एजेंसी।
हबल अंतरिक्ष दूरबीन ने एक ऐसे धूमकेतु की अब तक की सबसे साफ तस्वीर खींची है, जो हमारे सौरमंडल के बाहर के किसी तारे से आ रहा है। यह धूमकेतु बहुत तेजी से यात्रा कर रहा है। यह तस्वीरें नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बृहस्पतिवार को साझा कीं। इस धूमकेतु का नाम 3आई-एटलस है। इसे पिछले महीने चिली में एक जमीन पर लगी दूरबीन से खोजा गया था। यह अब तक पाया गया तीसरा ऐसा अंतरतारकीय (दूसरे तारे से आया हुआ) पिंड है, जो हमारे सौरमंडल से होकर गुजरेगा। अच्छी बात यह है कि इससे पृथ्वी को कोई खतरा नहीं है। शुरुआत में वैज्ञानिकों ने सोचा था कि इसके बीच का बर्फीला हिस्सा (जिसे नाभिक कहते हैं) बहुत बड़ा होगा। लेकिन हबल की ली गई तस्वीरों से पता चला कि इसका आकार ज्यादा से ज्यादा 5.6 किलोमीटर है, और हो सकता है कि यह सिर्फ 320 मीटर ही हो। यह धूमकेतु करीब 2 लाख 9 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हमारी दिशा में आ रहा है। लेकिन यह पृथ्वी के बजाय मंगल ग्रह के ज्यादा पास से गुजरेगा, इसलिए इससे हमें कोई खतरा नहीं है।नासा के अंतरिम प्रशासक सीन डफी

11000 की जनसंख्या वाले देश पर मंडरा रहा है डूबने का खतरा

ऑस्ट्रेलिया ने खोले दरवाजे

तुवालु, एजेंसी।
समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिसके कारण दुनिया के कई देश डूबने की कगार पर हैं। प्रशांत महासागर में मौजूद तुवालु भी इन्हीं में से एक है। वायर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, तुवालु अगले 25 साल में डूब जाएगा। ऐसे में तुवालु के लोगों ने अभी से पलायन करना शुरू कर दिया है।

9 कोरल आईलैंड और अटॉल्स से बने तुवालु देश की जनसंख्या महज 11,000 है। यह द्वीप समुद्रतल से महज 2 मीटर ऊंचा है। ऐसे में तुवालु से लोगों का पलायन दुनिया का पहला योजनाबद्ध प्रवास माना जा रहा है।

जैसे खतरे बने रहते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, तुवालु के 9 में से 2 आईलैंड पहले ही डूब चुके हैं और बाकी आईलैंड भी डूबने की कगार पर हैं। 15 सालें की तुलना में 2023 में तुवालु के आसपास का समुद्रीस्तर 15 सेंटीमीटर बढ़ गया था। ऐसे में संभावना है कि अगले 25 सालों यानी 2050 तक तुवालु पूरी तरह से डूब जाए। 2023 में तुवालु और ऑस्ट्रेलिया ने फॉलेपिली समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत हर साल 280 तुवालु नागरिकों को ऑस्ट्रेलिया की स्थायी नागरिकता प्रदान की जाएगी। 16 जुलाई से 18 जुलाई के बीच आवेदन का पहला फेज देखने को मिला।

ऑस्ट्रेलियन हाई कमिशन के अनुसार, 8,750 लोगों ने आवेदन किया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

होटल से सूरत के युवक का शव मिला

अहमदाबाद में ठहरने की व्यवस्था न होने पर वडोदरा में रुका था

1 अगस्त से जेतलपुर में नीलम गेस्ट हाउस में रह रहा था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा शहर के जेतलपुर इलाके में स्थित नीलम गेस्ट हाउस नामक होटल से एक युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान आशीष दक्षेशभाई पटेल (उम्र 31 वर्ष) के रूप में हुई है, जो सूरत के ओलपाड इलाके का रहने वाला था। इस घटना के बाद अकोटा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए गोट्री अस्पताल भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि मृतक युवक अहमदाबाद नौकरी के उद्देश्य से आया था, लेकिन वहां ठहरने की व्यवस्था न होने के कारण वह 1 अगस्त से जेतलपुर के नीलम गेस्ट हाउस में रह रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आशीष पटेल 1 अगस्त से नीलम गेस्ट हाउस में ठहरा हुआ था। वह मूल रूप से अहमदाबाद नौकरी के लिए आया था, लेकिन ठहरने की व्यवस्था न होने के कारण वडोदरा आकर इस होटल में रुक गया था। कल (9 अगस्त) आशीष लंबे समय तक कमरे से बाहर नहीं निकला, जिससे होटल प्रबंधक को शक हुआ। उन्होंने तुरंत अकोटा पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

आशीष की मौत का सही कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल, युवक के कमरे से पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है और जांच विभिन्न पहलुओं पर आगे बढ़ रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही आशीष का परिवार सूरत से वडोदरा पहुंच गया। परिवारजन गमगीन माहौल में हैं और पुलिस जांच के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। अकोटा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि वे इस मामले में सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं और जल्द ही अधिक जानकारी सामने आने की संभावना है। यह घटना जेतलपुर इलाके में चर्चा का विषय बन गई है।

जमानत नामंजूर

4.97 करोड़ की चीटिंग में 2 की जमानत खारिज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कपड़ा मार्केट में हुई 4.97 करोड़ की चीटिंग के मामले में दो आरोपियों में से एक की अग्रिम जमानत और दूसरे की नियमित जमानत याचिका नामंजूर करने का आदेश दिया गया। इस केस में मूल शिकायतकर्ता की ओर से एडवोकेट अभिषेक सेठिया ने दलीलें पेश की थीं।

गिरीश देवजानी ने शिकायतकर्ता से संपर्क कर बताया कि उसके पास कुछ पार्टियां हैं और इस बहाने उसने 2.75 करोड़ का माल उधार लिया। इसके अलावा अन्य व्यापारियों से भी कुल 4.97 करोड़ का माल लिया था। बाद में उसने फोन बंद कर दिया और गायब हो गया, जिसके बाद क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई गई थी। गिरीश देवजानी को गिरफ्तार किया गया, जबकि मनीष रतनानी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी।

सचीन पुलिस द्वारा पकड़ी गई भारी मात्रा में पकड़ी गई विदेशी शराब

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत , सचीन सर्वेलेंस स्टाफ़ को मिली जानकारी अनुसार छापेमारी के समय और अन्य जाँच में अलग-अलग जगह से शराब पकड़ी गई. जिसकी कुल किमंत 30 लाख की ऊपर के रकम की शराब और अन्य वस्तु जप्त किया गया. जिसमें सचीन पी.आई. पी.एन वाघेला , पी.एस.आई एन डी.डामोर , अन्य सर्वेलेंस स्टाफ़ सामेल थे.

धरमपुर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भारी भीड़ उमड़ी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

धरमपुर में समस्त आदिवासी समाज तथा आदिवासी एकता परिषद, धरमपुर द्वारा आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में पारंपरिक वेशभूषा में आदिवासी वाद्ययंत्रों और नृत्य के साथ निकाली गई रैली ने पूरे नगर में आकर्षण का केंद्र बना।

आसुरा वाव पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का श्री साईंनाथ अस्पताल के डॉ. डी.सी. पटेल, डॉ. दिलीपभाई पटेल, डॉ. अर्पण पटेल, डॉ. ध्रुमिल, डॉ. कुंतल तथा समस्त आदिवासी समाज वलसाड के संयोजक उत्तमभाई गरासिया, समस्त आदिवासी समाज धरमपुर के अध्यक्ष योगेंद्र गरासिया, आदिवासी एकता परिषद के विजय अटारा, खारवेल सरपंच राजेश पटेल, धीरज पटेल, कमलेश पटेल समेत कई अग्रणियों ने आदिवासी परंपरा अनुसार धान और फूल से पूजा करने के साथ प्रकृति पूजा और धरती वंदना की।

धरमपुर तालुका पंचायत के अपक्ष सदस्य कल्पेश पटेल की उपस्थिति में निकली रैली डॉ. भीमराव आंबेडकर सर्कल तक पहुंची। इस दौरान आदिवासी वाद्ययंत्र तूर, तारपा, काहली, ढोल की थाप पर आदिवासी युवक, बुजुर्ग और महिलाएं दिल खोलकर झूमते नजर आए।

ग्राम के हिसाब से 700 रुपये में नकली हॉलमार्क कराने वाले

सूरत में ज्वेलर्स को नकली चेन बेचने आए, चार लोगों की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कतारगाम स्थित राज ज्वेलर्स में नकली सोने की चेन बेचते पकड़े गए धोराजी के दो युवकों की पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है। नकली चेन बनाकर उस पर नकली हॉलमार्क करने वाले चार सोनारों को धोराजी और जूनागढ़ से कतारगाम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से हॉलमार्क मशीन भी जब्त की गई है। इस गैंग ने अब तक छह नकली चेन बनाने की बात कबूल की है। साथ ही यह भी सामने आया कि वे ग्राम के हिसाब से 700 रुपये में नकली हॉलमार्क करते थे।

कतारगाम इलाके की योगीकृपा अपार्टमेंट में रहने वाले घनश्याम जीवराजभाई सोनी (उम्र 51 वर्ष) ग्रीन पार्क सोसाइटी में राज ज्वेलर्स नाम से शोरूम चलाते हैं। बीते सोमवार को दो युवक उनके शोरूम पर आए और एक चेन दिखाई, जिस पर 916 हॉलमार्क था। वे इसे बेचना चाहते थे। 10.830 ग्राम वजन की इस चेन की कीमत 8 2 हजार रुपये थी, लेकिन 30 साल का अनुभव रखने वाले ज्वेलर को मामला संदिग्ध लगा।

एडवांस के तौर पर उन्होंने पांच हजार रुपये देकर कहा कि बाकी 77 हजार एक घंटे बाद ले जाएं। उनके जाने के बाद गैस लाइटर से चेन की जांच की तो नीचे से तांबा निकला। तय समय से पहले ही ज्वेलर ने कतारगाम पुलिस को बुला लिया। बाकी पैसे लेने आए धोराजी बाहारपुरा के अफान आरिफ जानुहसन (उम्र 35) और प्रियंक जगदीश गोधासरा (उम्र 30) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने इस मामले में धोराजी के किशन श्यामु धोलकिया, जूनागढ़ के मोफीज अब्दुलअली शेख, किरण निवृति हसले और आनंद महेश वडनागरा को गिरफ्तार किया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सोनार किशन धोलकिया पहले पकड़े गए दोनों युवकों को 20 ग्राम सोना और 80 ग्राम तांबा, या 40 ग्राम सोना और 60 ग्राम तांबा मिलाकर चेन बना देता था।

वह प्रति ग्राम 700 रुपये मजदूरी लेकर मोफीज के जरिए 916 हॉलमार्क का लाइसेंस रखने वाले किरण हसले और आनंद वडनागरा से हॉलमार्क कराता था। अब तक इस तरह छह चेन बनाने की बात सामने आई है। उनके पास से हॉलमार्क करने की मार्किंग मशीन और कंप्यूटर जब्त किए गए हैं।

3 दोस्तों के बीच हुए झगड़े में एक की हत्या,दो दोस्त गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अमरौली कोसाड आवास के पीछे कांसानगर में तीन दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। गाली-गलौज के दौरान दो दोस्तों ने एक दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया। घायल को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद अमरौली पुलिस ने मृतक के पिता भगुभाई नायक की शिकायत दर्ज की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों राहुल अजय देवपूजक और राहुल सीताराम वर्मा (दोनों निवासी कोसाड आवास, अमरौली) के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

यह घटना 8 तारीख की देर रात हुई थी। तीनों दोस्त साथ बैठे थे, तभी गाली-गलौज के बीच मामला हत्या तक पहुंच गया। मृतक आशीष भगु राठौड़ (25) टेक्सटाइल मार्केट में मजदूरी करता था और विवाहित था। उसके 3 बच्चे हैं। दोनों आरोपी भी मजदूरी का काम करते हैं। झगड़े के दौरान दोनों दोस्तों ने आशीष राठौड़ की पीठ पर चाकू के वार किए। लहूलुहान हालत में उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज शुरू होने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

वापी-भीलाड के शराब के 2 आरोपी सूरत से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी टाउन और भीलाड पुलिस स्टेशन में शराब के मामले में वांछित दो आरोपियों को एलसीबी ने गिरफ्तार किया है। एक आरोपी पिछले चार साल से और दूसरा दो साल से फरार था।

वलसाड जिले से फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन हंट शुरू किया था। इसके तहत फरार आरोपियों की सूची अपडेट कर उन्हें पकड़ने के लिए एलसीबी की टीम कार्रवाई में लगी हुई थी।

इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर, वापी टाउन पुलिस स्टेशन में शराब के मामले में वर्ष 2021 से फरार आरोपी मनबोधन राजकुमार यादव, निवासी पांडेसरा, सूरत को गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई। वहीं, भीलाड पुलिस स्टेशन में पिछले दो साल से फरार शराब का आरोपी रोहित भानु पटेल, निवासी सरथाणा जकातनाका, सूरत को भी ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर सूरत कामरेज बस स्टैंड के पास से एलसीबी ने गिरफ्तार कर लिया।

अग्रवाल एजुकेशन फ़ाउंडेशन की वार्षिक साधारण सभा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल एजुकेशन फ़ाउंडेशन की 11वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार को नरथान स्थित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल परिसर में किया गया। सभा की शुरुआत माँ सरस्वती एवं महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

सभा में अध्यक्ष अशोक टिबड़ेवाल ने स्वागत संबोधन के साथ सभी का स्वागत किया। इसके बाद सचिव अजय अग्रवाल ने वर्ष 2024-25 की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। सभा में कोषाध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का आय-व्यय का विवरण सदन के समक्ष रखा। सभा के अंत में सुभाष अग्रवाल ने सभी माननीय सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष राजेश पोद्दार, अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार तथा अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

युवक की डूबने से मौत

सुवाली के समुद्र में नहाने गए युवक की डूबकर मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुवाली समुद्र तट पर घूमने गए तीन दोस्तों में से दो दोस्त समुद्र में नहाने उतरे थे। इस दौरान उनमें से एक की डूबने से मौत हो गई। डूब रहे दोस्त को दूसरे दोस्त ने बाहर निकाल तो लिया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। सुवाली गांव की एल एंड टी कॉलोनी में रहने वाले 39 वर्षीय दिनेश रामनरेश चौधरी एल एंड टी कॉलोनी की कैंटीन में रसोइए के रूप में काम करते थे। उनके दो बच्चों सहित परिवार अपने पैतृक स्थान पर रहता है। शनिवार दोपहर दिनेश चौधरी अपने दोस्तों शिवम दुर्गेशकुमार गुप्ता और रंजीत के साथ सुवाली समुद्र तट पर घूमने गए थे। तीनों दोस्तों में रंजीत के पैर में चोट लगी होने के कारण वह समुद्र में नहाने नहीं गया और किनारे पर ही बैठा रहा। वहीं, दिनेश चौधरी और शिवम दोनों समुद्र में नहाने उतर गए। इस दौरान अचानक दिनेश समुद्र के पानी में डूबने लगे। जब शिवम को यह अहसास हुआ, तो वह तैरकर दिनेश तक पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर खींच लाया। लेकिन तब तक दिनेश दो-तीन बार पानी में डूब चुके थे और काफी पानी उनके पेट में चला गया था। समुद्र से बाहर लाने के बाद शिवम और रंजीत ने मिलकर उनके पेट से पानी निकालने की बहुत कोशिश की, लेकिन तब तक दिनेश की सांसें बंद हो चुकी थीं और उन्हें बचाया नहीं जा सका। घटना की जानकारी मिलने पर हजीरा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटना के संबंध में पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।